बुधवार 30 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रातः 05:42 बजे
सूर्यास्त सांय 19:14 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बीएसएनएल के बाद अब सरकारी स्कूलों की बारी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 285 | गाजियाबाद, बुधवार 30 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में गरमाई बहसः राहुल बोले

'सेना को फ्रीडम चाहिए, सरकार ने राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में मंगलवार दोपहर से ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा जारी है। लोकसभा के नेता विपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा- पहलगाम में लोगों की निर्दयता के साथ हत्याएं की गईं। हम अपनी सरकार-सेना के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं।

उन्होंने कहा- राजनैतिक काम करते हुए हम पूरे देश में जाते हैं। लोगो से मिलते हैं दुख में सुख में। जब भी मैं सेना के किसी शख्स के घर जाता हूं जैसे ही हाथ मिलाता हूं तो पता लग जाता है कि हिंदुस्तान की फौज में है। इसको कहीं भी भेज दो ये देश के लिए लड़ने-मरने के लिए तैयार हैं।

राहुल से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि लोग सरकार के भरोसे पहलगाम गए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। पहलगाम में जब लोगों को मारा जा रहा था, तब वहां एक भी सुरक्षाकर्मी नहीं दिखा। प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने आगे आ जाते हैं, जिम्मेदारी लेने क्यों नहीं आते।

प्रियंका से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र से सवाल किया- सरकार बताए कि पाकिश्तान के पीछे कौन सा देश है। हमें चीन से उतना ही खतरा है, जितना आतंकवाद से हैं। जिन एयरक्राफ्ट को नींबू-मिर्च लगाकर पूजा, वे कितने उड़े थे?

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने

बताया कि जिन आतंकियों ने पहलगाम में बायसरन घाटी में 26 पर्यटकों को मारा था, ऑपरेशन महादेव में सोमवार को उन्हें ढेर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आतंकियों के नाम सुलेमान, फैजल अफगान और जिब्रान हैं। सुलेमान लश्कर का कमांडर था। इसके ढेरों सबूत हैं। अफगान और जिब्रान ए श्रेणी के आतंकी थे। आतंकियों की मदद करने वाले 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

राहुल ने राजनाथ सिंह के भाषण पर पलटवार किया

कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राजनाथ सिंह ने 1971 की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की। उस वक्त इंदिरा गांधी में राजनीतिक इच्छाशक्ति थी। हमने अमेरिका की नहीं सुनी। इंदिरा गांधी ने जनरल मानेक शॉ को आजादी दी।

तब एक लाख पाकिश्तान सैनिकों ने सरेंडर किया और एक नया देश बना। ऑपरेशन सिंदूर पर मैंने राजनाथ सिंह जी का भाषण सुना। ऑपरेशन सिंदूर में सरकार ने पाकिश्तान को आपने पहले ही बता दिया था।

आपने पाकिश्तान को सीधे अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति बता दी। हमने पाकिश्तान को बता दिया कि हमारी राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। भारत सरकार पाकिश्तान को खुद ही बता रही है कि हमें युद्ध नहीं चाहिए। दूसरा मुद्दा राजनीतिक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने पाकिश्तान को बताया कि हम आपके सैन्य ठिकानों को लक्षित नहीं करना चाहते हैं।

कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कानपुर में दूसरे परिवार से मिला। मैं कहता हूं जो हुआ गलत हुआ।

सरकार ले पहलगाम हमले की जिम्मेदारी : प्रियंका

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला देश की अस्मिता पर आक्रमण है और हमारी खुफिया एजेंसियों की बहुत बड़ी विफलता का परिणाम है। इस चूक के लिए जिम्मेदार लोगों का इश्तीफा होना चाहिए था लेकिन इश्तीफा तो दूर, देश को चलाने वाले लोग इसकी जिम्मेदारी लेने को भी तैयार नहीं हैं।

श्रीमती वाड्रा ने मंगलवार को लोकसभा में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि इस घटना के लिए देश की खुफिया एजेंसियां, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और देश के गृहमंत्री जिम्मेदार हैं। उन्हें नैतिक आधार पर हमले की जिम्मेदारी लेते हुए इश्तीफा देना चाहिए था लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि इश्तीफा तो दूर, गृहमंत्री अमित शाह इस घटना की जिम्मेदारी लेने को भी तैयार नहीं हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी हमला किया और उनका नाम लिए बना कहा कि देश के प्रमुख को सिर्फ सफलता का श्रेय नहीं लेने को उत्साहित नहीं चाहिए। देश में जो घटनाएं होती हैं उनकी जिम्मेदारी भी उनकी होती है और इसकी जिम्मेदारी लेने का उनमें साहस भी होना चाहिए।

उनका कहना था कि पाकिश्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने की बात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प करते हैं और यह हमारे लिए अत्यंत चिंता का विषय है।

सरकार को बताना चाहिए कि सैन्य कार्रवाई क्यों रुकी। इसका जवाब सरकार को देना चाहिए लेकिन सरकार इस बारे में चुप्पी साधे हुए है।

भारत को पाकिस्तान से ज्यादा खतरा चीन से है: अखिलेश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा है कि देश को पाकिस्तान से ज्यादा खतरा चीन से है जो हमारी जमीन छीनने के साथ-साथ हमारा व्यापार भी छीन रहा है।

श्री यादव ने लोकसभा में ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि अगर हमें सीमा पर शांति चाहिए तो इसके लिए चीन से निपटना जरुरी है। उससे अपनी जमीन वापस लेनी है और जिस तरह से वह पाकिस्तान की मदद कर रहा है और व्यापारिक मोर्चे पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए है उससे इन सभी मोर्चों पर निपटना जुरुरी है।

उन्होंने सरकार से कहा कि हर बार आप चूक कहकर जिम्मेदारी से बच नहीं सकते हैं। पहले जो स्थिति थी वहां तक सरकार अभी नहीं पहुंच पायी है। पहले जहां सेना पेट्रोलिंग करती थी वहां अभी सेना नहीं जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए असली खतरा चीन है, पाकिस्तान नहीं। चीन हमारी जमीन छीनने के साथ ही हमारे व्यापार को भी छीन रहा है। हमारे आत्मनिर्भर के नारे की समीक्षा की जानी चाहिए और देखना होगा कि कहीं हम कुछ उद्योगपतियों को ही तो लाभ नहीं पहुंचा रहे हैं।

सपा नेता ने कहा कि अगर पाकिस्तान हमारे लिए खतरा है तो चीन तो उससे बड़ा खतरा है और उससे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। उनका कहना था कि विदेश मंत्री कह रहे थे हम अच्छे पुल बना रहे हैं और सड़कें बहुत अच्छी बना रहे हैं और सीमा पर जितना विकास होगा उससे हमारी सीमाएं ज्यादा सुरक्षित होना चाहिए। रक्षा का बजट हमारे सकल घरेलू उत्पाद के तीन फीसदी के बराबर होना चाहिए। रक्षा के नाम पर दुनिया में निवेश करने की बात सरकार करती है, लेकिन निवेश के लिए उसे आयोजन करना चाहिए और देश में एक्सपो लगाए जाने चाहिए। सरकार को खुद देश की सुरक्षा के लिए और अधिक उत्साह से काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सेना ने जिस शौर्य का परिचय देश के लिए दिया है उसके लिए सेना बधाई की पात्र है। सेना की वीरता का पूरा देश सम्मान करता है, लेकिन सेना की बहादुरी का राजनीतिक लाभ नहीं लिया जाना चाहिए। हर बात पर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। उनका कहना था कि आखिर एन्काउंटर कल ही क्यों हुआ है। पुलवामा में जो वाहन आया था उसे आज तक क्यों नहीं पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगर आज भी चाहे तो पुलवामा में आये वाहन का पता लगा सकती है।

चार देशों के राजनयिकों ने राष्ट्रपति को परिचय पत्र प्रस्तुत किए

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। चार देशों डोमिनिकन गणराज्य, तिमोर-लेश्ते, श्रीलंका और गैबोनीज़ गणराज्य के राजदूतों तथा उच्चायुक्तों ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय पत्र प्रश्तुत किये। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार इन राजनयिकों ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में अपने परिचय पत्र पेश किये। परिचय पत्र प्रश्तुत करने वालों में डोमिनिकन गणराज्य के राजदूत फ्रांसिस्को मैनुअल कॉम्प्रेस हर्नांडेज़, तिमोर-लेश्ते लोकतांत्रिक गणराज्य के राजदूत कार्लिटो नून्स, श्रीलंका की उच्चायुक्त सुश्री प्रदीपा महिशिनी और गैबोनीज़ गणराज्य के उच्चायुक्त गाय रोड्रिग डिकाय शामिल थे।

देश मे दस करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का मिला लाभ-चौहान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सरकार ने कहा है कि किसानों की आय दोगुना करना उसकी प्राथमिकता रही है और उनकी सरकार के प्रयास से किसानों की आय दोगुना से अधिक हुई है और 10 करोड़ से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि से सम्मानित किया गया है। लोकसभा में कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान एक पूरक प्रश्न की जवाब में कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर काम कर रही है और उसकी यह प्रतिबद्धता भी है। उनका कहना था कि इसी की वजह है कि देश में तिलहन दलहन आदि का उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है और देश के किसानों को उसका बड़ा लाभ मिल रहा है। पशु पालक किसानों को भी फायदा हो रहा है और दूध का उत्पादन भी देश में तेजी से बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि देश में किसानों की आई दोगुना से अधिक हुई है। देश के 10 करोड़ किसानों को किसान सम्मन निधि से लाभान्वित किया जा रहा है। फसल बीमा योजना के तहत सरकार ने 1.83 लाख करोड़ किसानों को इसका लाभ उपलब्ध कराया है।

राष्ट्रपति के संदर्भ की जांच 19 अगस्त से :सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि राज्य विधानसभाओं की ओर से पारित विधेयकों को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने संबंधी राष्ट्रपति के संदर्भ की जांच 19 अगश्त से शुरू की जायेगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की संविधान पीठ ने सुनवाई की तारीखें तय करते हुए सभी पक्षों से 12 अगश्त तक लिखित दलीलें पेश करने को कहा। न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अदालत शुरुआत में केरल, तमिलनाडु और अन्य की सुनवाई करने की विचारणीयता के मुद्दे पर दलीलें सुनेगी।शीर्ष अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं को दलीलें पेश करने के लिए चार-चार दिन का समय देने के सुझाव पर सहमति जताई।

कांग्रेस नेता पिपलोदी गांव का दौरा करेंगे, कांग्रेस अध्यक्ष ने दिया निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राजस्थान में झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में स्कूल की जर्जर बिल्डिंग गिरने की घटना में सात बच्चों की मौत के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी नेताओं को वहां जाकर संबंधित पहुलओं की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, अनुसूचित जनजाति विभाग के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया और राजस्थान प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष बाबूलाल सांखला और अनुसूचित जनजाति विभाग के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गणेश घोघरा बुधवार को झालावाड़ का दौरा करेंगे। ये नेता पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे और अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपेंगे।

पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी मुठभेड़ में मारे गये : शाह

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में घोषणा की कि पहलगाम आतंकवादी घटना को अंजाम देने वाले तीनों आतंकवादी सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये।

श्री शाह ने लोक सभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि ऑपरेशन महादेव के दौरान कल पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी सुलेमान उर्फ फैसल, अफगान और जिब्रान सैन्य बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये। उन्होंने बताया कि सुलेमान आतंकवादी संगठन लश्करे तैयबा का ए श्रेणी आतंकवादी और तथाकथित कमांडर था। अफगान और जिब्रान भी लश्करे तैयबा से जुड़े हुए एक श्रेणी के आतंकवादी थे।

उन्होंने बताया कि मारे गये तीनों आतंकवादियों के पहलगाम घटना में शामिल होने की पुष्टि इन्हें पनाह देने वालों से करायी गयी है। पहलगाम हमले में इश्तेमाल हथियारों से निकले खोखे की मिलान कर लिया गया है और इसकी पुष्टि हो गयी है कि इन आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियार ही पहलगाम हमले में इश्तेमाल किये गये थे। श्री शाह ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इन आतंकवादियों को पहलगाम घटना के बाद शरण और भोजन देने वालों को गिरफ्तार किया था। उनसे इन आतंकवादियों की पहचान करायी गयी है। इन आतंकवादियों के पास पाकिश्तान निर्मित चाकलेट बरामद की गयी थी।

उन्होंने कहा कि वह पहलगाम हमले में मारे गये पर्यटकों के पीड़ित परिजनों से कहना चाहते हैं कि पहलगाम आतंकवादी घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को सैन्य बलों ने सोमवार को मार गिराया है और पाकिश्तान में बैठे इनके आकाओं को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान ही नेश्तनाबूद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि पहली बार भारत ने 100 किलोमीटर पाकिश्तान के अंदर स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। इससे पहले पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया गया था।

श्री शाह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिश्तान स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वश्त करने के अलावा पाकिश्तान के 11 एयरबेस क्षतिग्रश्त किये गये इनमें नौ तो पूरी तरह नेश्तनाबूद कर दिया गया। पाकिश्तान के छह राडार सिस्टम ध्वश्त किये गये। इस तरह पाकिश्तान के सेना के कमर तोड़ दी गयी तो उसके पास युद्ध विराम करने की गुहार लगाने के अलावा कोई चारा नहीं था। श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले

बारिश और बादल फटने से तबाही, 4 लोगों की मौत, मलबे में कई गाड़ियां दबी

✷ वेबवार्ता. मंडी ✷

बीती रात हिमाचल प्रदेश के मंडी शहर में बादल फटने से 4 लोगों की मौत होने की खबरे आ रही है। इस हादसे में कई गाड़ियां मलबे के नीचे दब गईं। कई राज्यों में नदी-नाले उफान पर हैं और बाधों से पानी की निकासी हो रही है।

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने मंगलवार को पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश का रेड अलर्ट और हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बादल फटने के कारण फ्लैश फ्लड की घटना में मंगलवार को दो लोगों की जान चली गई। बता दें कि पिछले दो दिन से हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मंडी में भी भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। इसी बीच फ्लैश फ्लड की घटना हुई। फिलहाल जिला प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

जानकारी के मुताबिक, मंडी के जेल रोड इलाके में अपनी गाड़ियों को निकालने के लिए कुछ लोग नाले के पास पहुंचे थे। इसी दौरान वे फ्लैश फ्लड की चपेट में आ गए। दो लोगों के शवों को निकाला जा चुका है, जबकि एक व्यक्ति का शव गाड़ियों के बीच फंसे होने की संभावना है।इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सड़कों पर पानी और मलबा दरिया की तरह बह रहा है।

मंडी में मूसलधार बारिश के चलते कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हैं। जेल रोड इलाके में पहाड़ों से पानी के साथ गाद और कीचड़ जैसा मलबा नीचे आया, जिसमें दर्जनों गाड़ियां क्षतिग्रश्त हो गईं। मूसलाधार बारिश सोमवार रात करीब 11 बजे शुरू हुई और सुबह 4 बजे तक तेज हो गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

बताया जाता है कि सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक मंडी का जोनल अस्पताल है, जहां नाले ओवरफ्लो होने के कारण परिसर में पानी भर गया।

बाटला हाउस एनकाउंटर के दौरान कांग्रेस की एक वरिष्ठ नेता की आंखों में थे आंसू: पीएम

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने दिल्ली की बाटला हाउस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए कहा कि जब वहां (बाटला हाउस) मुठभेड़ हुई थी, तब कांग्रेस की एक वरिष्ठ नेता की आंखों में आंसू थे।

पीएम मोदी ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही चर्चा के दौरान ये बयान दिया। उन्होंने लोकसभा में कहा, "कांग्रेस के राज में आतंकवाद अगर फला-फूला है तो उसका एक बड़ा कारण यह है कि इनकी तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति है। जब दिल्ली में बाटला हाउस मुठभेड़ हुई, तो कांग्रेस की एक वरिष्ठ नेता की आंखों में आतंकवादियों के मारे जाने के कारण आंसू थे। वोट पाने के लिए इस बात को हिंदुश्तान के कोने-कोने में पहुंचाया गया।"

उन्होंने संसद हमले का जिक्र करते हुए आगे कहा, "2001 में जब भारत की संसद पर घातक हमला हुआ, तो कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने अफजल गुरु को संदेह का लाभ देने की बात कही थी। 26/11 को मुंबई में हुए बड़े आतंकवादी हमले के बाद एक पाकिश्तानी आतंकवादी को जिंदा पकड़ा गया। पाकिश्तानी मीडिया और दुनिया ने भी माना कि वह पाकिश्तान से था, लेकिन यहां कांग्रेस पार्टी पाकिश्तान के इतने बड़े पाप पर क्या खेल कर रही थी? वे वोट बैंक की राजनीति के लिए इसको भगवा आतंक सिद्ध करने में लगे हुए थे।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर हिंदू आतंकवाद की थ्योरी बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "कांग्रेस दुनिया को हिंदू आतंकवाद की थ्योरी बेचने में लगी हुई थी। कांग्रेस के एक नेता ने अमेरिका के बड़े राजनयिक को यहां तक कह दिया था कि लश्कर-ए-तैयबा से भी बड़ा खतरा भारत के हिंदू संगठन हैं। तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में बाबा साहेब के बनाए गए संविधान को कदम रखने नहीं दिया। तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस हमेशा देश की सुरक्षा को बलि चढ़ाती रही है। तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस ने आतंकवाद से जुड़े कानूनों को कमजोर किया।" उन्होंने आगे कहा, "दलहित में हमारे मत मिले या न मिले, लेकिन देशहित में हमारे मन जरूर मिलने चाहिए।"

झारखंड के देवघर में बस-ट्रक की टक्कर में 18 कांवड़ियों की मौत

✷ वेबवार्ता. रांची ✷

झारखंड के देवघर जिले के जमुनिया गाँव के पास मंगलवार को हुए एक

भीषण सड़क हादसे में 18 कांवड़ियों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए।

यह हादसा चल रहे श्रावणी मेले के दौरान हुआ, जब हज़ारों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पवित्र जल चढ़ाने आते हैं।इस हादसे की पुष्टि करते हुए, देवघर के सांसद निशिकांत दुबे ने X पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे लोकसभा क्षेत्र देवघर में, श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान, बस और ट्रक की टक्कर में 18 श्रद्धालुओं की जान चली गई।

बाबा बैद्यनाथ जी उनके परिवारों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।'यह दुर्घटना स्थल देवघर के मोहनपुर प्रखंड में स्थित है, जो उत्तर दिशा में बहने वाली जमुनिया नदी के किनारे, एक प्रसिद्ध शिव-पार्वती मंदिर के पास स्थित है। यह टक्कर तब हुई जब बाबा बैद्यनाथ धाम में जल चढ़ाने के लिए देवघर जा रही लगभग 35 श्रद्धालुओं से भरी एक बस को गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक ने सीधी टक्कर मार दी।

यौन उत्पीड़न केस में फंसे भाजपा सांसद सुभाष बराला के बेटे को झटका

चंडीगढ़, एजेंसी।
भाजपा शासित हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने भाजपा के राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के बेटे विकास बराला को करारा झटका दिया है। सरकार ने उन्हें नियुक्ति के 10 दिन बाद ही राज्य के सहायक महाधिवक्ता पद से हटा दिया है। दरअसल, विकास बराला पर यौन उत्पीड़न के केस थे, इसलिए उनकी नियुक्ति के बाद से ही यह मामला विवादों में घिर गया था।

बता दें कि 18 जुलाई को राज्य का गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय ने 97 नए कानून अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। उस सूची में विकास बराला का भी नाम था। उन्हें असिस्टेंट एडवोकेट जनरल (एएजी) बनाया गया था लेकिन उनकी नियुक्ति के बाद से ही यह मामला विवादों में घिर गया था। विपक्ष लगातार सैनी सरकार पर हमलावर थी और यौन उत्पीड़ने के आरोपी को विधि अधिकारी बनाने पर घेर रही थी। दरअसल, विकास एक भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी की बेटी का पीछा करने के आरोपी हैं। यह मामला अक्टूबर 2017 का है, जब उनके पिता भाजपा की हरियाणा इकाई के प्रमुख थे। विकास और उनके दोस्त आशीष कुमार पर चंडीगढ़ की एक अदालत ने एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की बेटी का पीछा करने और उसके अपहरण का प्रयास करने का आरोप लगाया था। विकास बराला इस मामले में जमानत पर बाहर हैं और मुकदमा अभी कोर्ट में लंबित है। आईएएस अफसर की पीड़ित बेटी वर्णिका कुंडू ने विकास बराला को एएजी बनाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। यही नहीं, 45 आईएएस अफसरों ने भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को चिट्ठी लिखकर इस नियुक्ति को रद्द करने की मांग की थी। विवाद बढ़ने पर सरकार ने विकास बराला को हटाने का फैसला लिया।

पूर्व आईएएस अधिकारी वीएस कुंडू की बेटी वर्णिका कुंडू ने सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाए थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लम्बी पोस्ट डालकर सरकार के इस फैसले की आलोचना की थी। उन्होंने लिखा था कि यह निर्णय सरकार के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारों के विपरीत है और इससे गलत संदेश जाता है। पोस्ट में उन्होंने कहा कि किसी को सार्वजनिक पद पर नियुक्त करना केवल एक राजनीतिक फैसला नहीं होता, बल्कि यह समाज के मूल्यों और नैतिक मानकों को भी दर्शाता है। उन्होंने उन अधिकारियों पर सवाल उठाया, जिन्होंने यह निर्णय लिया।

वर्णिका कुंडू ने आगे पोस्ट में लिखा कि वह जिस मामले पर बात कर रही हैं, वह उनका खुद का है, जो महीनों तक राष्ट्रीय मीडिया में छाया रहा, लेकिन कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। पांच साल बाद भी मामला वहीं अटका है। फैसला आने तक न्यायपालिका पर उनका भरोसा है, लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ उनका विश्वास डगमगाया है। अब भी कोई नतीजा नहीं निकल पाया है।

यह मामला 2017 का है, जब विकास बराला के पिता सुभाष बराला हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष थे। 4 अगस्त 2017 की रात चंडीगढ़ में आईएएस अधिकारी वीएस कुंडू की बेटी वर्णिका कुंडू अपनी कार में घर लौट रही थी, तभी विकास बराला और उसके दोस्त आशीष कुमार ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि रात करीब 12:15 बजे जब वह अपनी कार में जा रही थी, तो एक टाटा सफारी उसका पीछा कर रही थी। जब उसने रास्ता बदलने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसकी गाड़ी को रोक दिया और उसे एक खास दिशा में जाने के लिए मजबूर किया। पीड़िता ने जान बचाने के लिए अपनी कार को रिवर्स किया और तेजी से भगाई। इस दौरान उसने 100 नंबर पर पुलिस को सूचना दी और अपने पिता को भी मामले की जानकारी दी। विकास बराला और आशीष कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। बाद में मामला बढ़ने पर उन पर लड़की का पीछा करने, जबरन रास्ता रोकने और छेड़छाड़ जैसी गंभीर धाराएं भी लगाई गईं। आरोपियों के खिलाफ 354डी (पीछा करना), 341 (गलत तरीके से रोकना) और 365 (511 (अपहरण का प्रयास) के साथ पढ़ा जाए) समेत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए गए थे। उन्हें चार-पांच अगस्त 2017 की रात को गिरफ्तार किए जाने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। बाद में उन्हें नौ अगस्त 2017 को फिर से गिरफ्तार किया गया लेकिन जनवरी 2018 में उन्हें उच्च न्यायालय से पुनः जमानत मिल गई।

लेनदेन में कारोबारी दंपति से मारपीट

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

शहरी क्षेत्र के थाना कोतवाली इलाके में व्यापारिक लेनदेन को लेकर कारोबारी दंपति से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है।

लगातार धमकी मिलने के चलते महिला कारोबारी ने पिता-पुत्र समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

अर्जुन नगर में रहने वाली जयबती शर्मा का कहना है कि वह और उनके पति पवन शर्मा तुराबनगर बाजार में रेडिमेड सामान बेचने का व्यापार करते हैं और रक्षाबंधन पर जरूरत के हिसाब से राखी आदि भी बेचते हैं।

जयवती शर्मा के मुताबिक उन्होंने तुराबनगर बाजार के ही मुकेश जैन से पिछले रक्षाबंधन के त्योहार पर राखी का सामान खरीदा था।

उन्होंने और उनके पति ने समय-समय पर सामान का भुगतान किया था, जबकि कुछ सामान बाकी बच गया था। मुकेश जैन ने बचे हुए सामान का भुगतान इस रक्षाबंधन तक करने के लिए कह दिया था। आरोप है कि सात जुलाई की सुबह 10 बजे उनके पति दुकान पर जा रहे थे तो मुकेश जैन, उनके बेटे अभिषेक जैन तथा नौकर ने उनसे रूपयों का तगादा किया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी।

इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनके पति को लाठी-डंडों से भी मारा, जिससे उनकी आंख भी चोटिल हो गई। जयबती शर्मा का कहना है कि बाजार के जिम्मेदार लोगों ने दोनों पक्षों का समझौता करा दिया था।

लेकिन 14 जुलाई को मुकेश ने उन्हें अपनी दुकान पर बुलाया और रूपयों की मांग करते हुए गाली-गलौज की। इतना ही नहीं, रूपये न देने पर उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकी दी।

लगातार मिल रही धमकियों से तंग आकर जयबती शर्मा ने नगर कोतवाली में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि शिकायत के आधार पर 28 जुलाई को मुकेश जैन, उनके बेटे और नौकर के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

5 शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी के 12 एन्ड्रोइड मोबाइल बरामद

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना लोधा पुलिस टीम द्वारा पांच अभियुक्तगण ललित पुत्र नन्नूमल निवासी राजा की सराय जयगंज थाना सासनी गेट, विजय उर्फ आकाश पुत्र सतीश निवासी राजाराम की सराय जयगंज थाना सासनी गेट, वसीम पुत्र मुन्ना निवासी पप्पू प्रधान वाली गली शहाजमालपुर थाना रोरावर, अनस पुत्र समुल्ला निवासी चावंड वाली गली शाहजमालपुर थाना रोरावर व समीर पुत्र गुलाब निवासी गली न0 3 तिकोनिया थाना रोरावर द्वारा चोरी किये गये 12 मोबाईल फोन जिनमें ओपो कंपनी आसमानी रंग, मोबाईल विवो कम्पनी रंग पर्पल ब्लू, सैमसंग कम्पनी रंग नीला, मोबाईल टेक्नो कंपनी रंग नीला, रियलमी कम्पनी रंग नीला, एक रियल मी कंपनी रंग नीला, सैमसंग कंपनी रंग नीला, टच मोबाईल रेडमी कम्पनी रंग पर्पल, रियल मी कंपनी टच मोबाईल रंग डार्क ग्रीन, वन प्लस कम्पनी रंग आसमानी, विवो कम्पनी रंग नीला आसमानी व ओपो कम्पनी रंग डार्क लाल के साथ ताजपुर रसूलपुर को जाने वाले राश्ते पर हरदासपुर चौरहा के सामने से गिरफ्तार किया।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में बालिका इंटर कॉलेज में भारतीय शिक्षा समागम का सजीव प्रसारण देखा गया

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

पी. एम. श्री रा. बा इ. कॉलेज, झालू में नई शिक्षा नीति 2020 की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम का सजीव प्रशारण हात्राओं को दिखाया गया।

जिले के पी० एम० श्री रा० बा. ३० कॉ० फा-चयन राज्य श्तर पर सर्वश्रेष्ठ 47 पी०एम० श्री विद्यालयों की सूची में हुआ है। आज उन विद्यालयों को भारत मंडपम नई दिल्ली से आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। विद्यालय में कार्यक्रम के सजीव प्रसारण में नगर पंचायत अध्यक्ष श्री लोकेन्द्र चौधरी भी सम्मिनित हुए तथा छात्राओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या श्रीमती चारू ने उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षिकाएं श्रीमती नेहा, सुमित्रा

नन्दनी, राजकुमारी, दीप्ति अग्रवान कु० जीनत, कु० कैफुलवरा, सलोनी, पिंकी, नज़राना, तनु और छात्रायें एवं अभिभावक साम्मलित हुए। नगर पंचायतअध्यक्ष श्री लोकेंद्र चौधरी ने कार्यक्रम में भाग लिया और छात्राओं को प्रोत्साहित किया। प्रधानाचार्या श्रीमती चारू ने नगर पंचायत अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

भंगेल एलिवेटेड रोड पर फर्राटा भरने को हो जाएं तैयार, नोएडा अथॉरिटी ने बताई ओपनिंग डेट

नोएडा , एजेंसी। नोएडा में दादरी-सूरजपुर-छलेरा यानी डीएससी रोड पर बन रहे भंगेल एलिवेटेड रोड के लिए बिटुमिन डालने का काम सोमवार को पूरा हो गया। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का दावा है कि एलिवेटेड रोड का काम अगले महीने तक पूरा कर इसे लोगों के लिए शुरू करने की तैयारी है।

भंगेल एलिवेटेड रोड का निर्माण सेक्टर-41 आगाहपुर से फेज टू के पास नाले तक हो रहा है। इसके निर्माण पर 608 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। प्राधिकरण के अफसरों ने बताया कि अब लाइटिंग और एंट्री-एग्जिट वाले रास्तों पर सौंदर्यीकरण का काम शुरू होगा। एलिवेटेड रोड के प्रत्येक कर्व पर कवरिंग शीट भी लगाई जाएगी, ताकि रोड पर दुर्घटनाओं को रोका जा सके। नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि एलिवेटेड रोड पर वाहन चलने शुरू होने के बाद ही नीचे वाली सड़क बनाने का काम शुरू होगा। इसके अलावा एलिवेटेड पर चढ़ने और उतरने के लिए दो-दो लूप बनाने के लिए टेंडर जारी किया जाएगा। लूप बनाने का काम छह महीने में पूरा होगा। इनके बनने से लोगों को जाम से राहत मिलेगी।

चोरी की ऐसी सजा! गुरुग्राम में गार्ड को उल्टा लटकाकर शख्स ने बरसाए डंडे

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम के सेक्टर-37 से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक प्राइवेड गार्ड को छोटी सी चोरी की इतनी बड़ी सजा दी गई,जिसे देख आप भी सहम जाएंगे। गार्ड को उल्टा लटकाकर डंडों से बेरहमी से पीटा गया। हैरानी की बात यह रही कि इस मामले को डेढ़ महीने तक दबा तकर रखा गया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला खुला और अब गुरुग्राम पुलिस ने इस मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

वीडियो लगभग डेढ़ मिनट का है। किसी बहुमंजिला इमारत के पार्किंग एरिया में करीब दस से ज्यादा लोग इकठ्ठा हैं। इनमें से दो लोग एक व्यक्ति के पैर रस्सी से बांधकर उसे लोहे के पाइप पर उल्टा लटकाए हुए हैं। इसके बाद सफेद टी-शर्ट और काला ट्राउजर पहने एक व्यक्ति प्लास्टिक के पाइप से उल्टे लटके व्यक्ति को पीटना शुरू कर देता है। वीडियो में पीड़ित व्यक्ति हाथ जोड़कर माफी मांगता दिख रहा है, लेकिन उसकी कोई नहीं सुनता। वहां मौजूद लोग आपस में किसी सामान के गायब होने की बात कर रहे हैं और उल्टे लटके व्यक्ति पर चोरी का आरोप लगा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि यह घटना जून 2025 की है और गुरुग्राम के सेक्टर-37सी में द्वारका एक्सप्रेस-वे के पास की एक सोसाइटी में हुई है। लोग यह भी आरोप लगा रहे हैं कि पीड़ित व्यक्ति एक मजदूर है और उसने पहले भी पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते कोई कार्रवाई नहीं हुई। सोशल मीडिया पर यह भी दावा किया जा रहा है कि मारपीट करने वाला व्यक्ति एक बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर है और कॉन्ट्रैक्टर खुद को हरियाणा के एक केंद्रीय मंत्री का करीबी बता चुका है। अपनी पत्नी को हाईकोर्ट में वकील होने का दावा किया है, जिससे वह पीड़ित को लगातार धमका रहा था। हालांकि इन दावों की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि 28 जुलाई 2025 को सोशल मीडिया के माध्यम से यह वीडियो पुलिस के संज्ञान में आया।

छत्तीसगढ़ में छुपे खजाने का पता लगाने के लिए 6 साल की बच्ची की दे डाली बलि

मुंगेली, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 6 साल की लड़की की बली चढ़ाकर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप बच्ची की भाभी पर लगा है। जानकारी के मुताबिक उसने छिपे हुए खजाने का पता लगाने के लिए एक गुप्त अनुष्ठान किया और मासूम की बलि चढ़ा दी। घटना छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के कोशबाड़ी गांव की है और पुलिस ने इस मामले में भाभी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के मुताबित 11 अप्रैल को बच्ची अपनी मां के घर पर सो रही थी तभी अचानक वह वहां गायब हो गई। परिवारवालों ने उसे काफी खोजा लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। कुछ दिनों बाद, गांव के पास एक श्मशान घाट पर नाबालिग के कंकाल के अवशेष मिले जिसके बाद उसकी पहचान उसी 6 साल की बच्ची के तौर हुई।

जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि छिपे हुए खजाने के लालच में भाभी ने ही बच्ची की हत्या की साजिश रची थी। वह खजाने की तलाश के लिए तांत्रिक के पास गई थी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लिए गुड न्यूज

43 सोसाइटियों में अगस्त से मिलेगी यह सुविधा

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गौड सिटी वन और टू समेत आसपास की 43 सोसाइटी में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। अगले महीने से गंगाजल मिलना शुरू हो जाएगा। प्राधिकरण के जल विभाग ने चारमूर्ति/गौड चौक के पास गंगाजल की पाइप लाइन को जोड़ने का काम शुरू कर दिया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौड सिटी वन और टू में 33, जबकि सेक्टर-16बी, सी में सात और टेकजोन-4 में तीन बिल्डर सोसाइटी हैं। इनमें डेढ़ लाख से अधिक लोग रहते हैं। यहां के लोग पिछले तीन वर्षों से गंगाजल की आपूर्ति का इंतजार कर रहे हैं, जो अब खत्म होने वाला है।

पाइप लाइन बिछाने और उसकी साफ-सफाई का काम पूरा होने के बाद 130 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे से होकर आ रही गंगाजल की पाइप लाइन को गौड चौक के पास जोड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। यह काम पूरा होने के बाद गौड सिटी की सोसाइटी के साथ सेक्टर-16बी, सी की सात और सेक्टर टेकजोन की तीन सोसाइटी में अगस्त से गंगाजल की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

नीतियों की आलोचना की तो होगा ऐक्शन, सरकारी कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया दिशानिर्देश जारी

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र सरकार के कर्मचारी राज्य सरकार या देश में किसी अन्य सरकार की मौजूदा या पिछली नीतियों की आलोचना नहीं कर सकते। इसको लेकर सोमवार को महाराष्ट्र सरकार ने दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार ने अपने कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल को नियंत्रित करने हेतु नए ये नियम जारी किए हैं।

एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) में यह भी कहा गया है कि कर्मचारियों को व्यक्तिगत और आधिकारिक उपयोग के लिए सोशल मीडिया पर अलग-अलग अकाउंट रखने होंगे। उन्हें उन ऐप्स या वेबसाइटों का उपयोग करने से बचना होगा जो केंद्र या राज्य सरकार द्वारा प्रतिबंधित हैं। इसके अलावा, कर्मचारियों को गोपनीय दस्तावेजों को बिना अनुमति के शेयर करने की मनाही है। सरकारी योजनाओं और पहलों को बढ़ावा देने के लिए केवल अधिकृत और आधिकारिक चैनलों का उपयोग किया जा सकता है।

हालांकि, आंतरिक समन्वय के लिए व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे ऐप्स का उपयोग करने की अनुमति दी गई है।

स्व-प्रशंसा और सरकारी संपत्ति के उपयोग पर रोक: दिशानिर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि कर्मचारी सरकारी योजनाओं की सफलता के बारे में सामूहिक प्रयासों को साझा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें खुद से तारीफ करने से बचना होगा। व्यक्तिगत तस्वीरें साझा करने की अनुमति है, लेकिन सरकारी नाम, लोगो, या संपत्ति जैसे वाहन और भवनों का उपयोग पर्सनल अकाउंट पर तस्वीरें या वीडियो अपलोड करते समय नहीं किया जा सकता। आपत्तिजनक, घृणास्पद, अपमानजनक, या भेदभावपूर्ण सामग्री साझा करना या अपलोड करना सख्त मना है।

उल्लंघन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई: यदि कोई कर्मचारी इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ महाराष्ट्र सिविल सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1979 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, ट्रांसफर के समय कर्मचारियों को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स को तुरंत सौंपना होगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि यह नियम न केवल राज्य सरकार के कर्मचारियों पर लागू होंगे, बल्कि स्थानीय निकायों, बोर्डों, निगमों, सार्वजनिक उपक्रमों और अनुबंध या प्रतिनियुक्ति पर काम करने वाले कर्मचारियों पर भी लागू होंगे।

पता करिए कितने मंदिरों को सरकार ने कब्जे में लिया, बांके बिहारी समिति से बोला सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा स्थित ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर की प्रबंधन समिति से कहा कि वह पता करे कि भारत में कितने मंदिरों का प्रशासनिक नियंत्रण सरकारों ने कानूनों के जरिए अपने हाथ में ले लिया है। शीर्ष अदालत ने प्रबंधन समिति की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा,'सरकार ने, राज्य ने, कितने सैकड़ों मंदिरों का नियंत्रण अपने हाथ में लिया है? उन्हें जो भी दान मिल रहा हो... बेहतर होगा कि आप वहां जाएं और पता करें''

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसे उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश-2025 के खिलाफ दायर किया गया है। मथुरा स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से अधिवक्ता तन्वी दुबे के जरिये दायर याचिका में इस अध्यादेश को चुनौती दी गई है जिसमें मंदिर के प्रशासन का नियंत्रण राज्य सरकार को सौंप दिया गया है।

जब उसे सूचित किया गया कि मंदिर से संबंधित एक अन्य आवेदन एक अलग पीठ के समक्ष लंबित है, तो शीर्ष अदालत ने कहा कि दोनों मामलों को एकल पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए भारत के प्रधान न्यायाधीश के आदेश की आवश्यकता है। सुनवाई की शुरुआत में पीठ ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता इलाहाबाद हाई कोर्ट के बजाय सीधे शीर्ष अदालत क्यों गए।

सिब्बल ने विवाद की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि राज्य सरकार एक निजी धार्मिक संस्थान का प्रबंधन अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शीर्ष अदालत ने हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार को एक कॉरिडोर (गलियारा) परियोजना के पुनर्विकास के लिए मंदिर निधि के 300 करोड़ रुपये का उपयोग करने की अनुमति दी है, इस फैसले को वर्तमान में चुनौती दी जा रही है। संबंधित मामले में मंदिर के श्रद्धालु देवेंद्र गोस्वामी ने शीर्ष अदालत के 15 मई के आदेश को वापस लेने का अनुरोध करते हुए एक आवेदन दायर किया है, जिसमें तर्क दिया गया है कि यह आदेश मंदिर की प्रबंधन समिति को सुने बिना पारित किया गया था। 'सेवायत' रजत गोस्वामी और 350 सदस्यों वाली मंदिर प्रबंधन समिति की याचिका में कहा गया है कि राज्य का आचरण 'दुर्भावनापूर्ण' था क्योंकि पांच एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए मंदिर निधि के उपयोग से संबंधित मुद्दे पर उच्च न्यायालय आठ नवंबर, 2023 को पहले ही निर्णय दे चुका है और उसने राज्य को भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर निधि का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। समिति ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने हाई कोर्ट के आठ नवंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ अपील दायर नहीं की है और इसके बजाय उसने शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित याचिका में पक्षकार बनाए जाने के लिए आवेदन किया है। याचिका में कहा गया है, ''उक्त विशेष अनुमति याचिका गिरिराज सेवा समिति के चुनावों से संबंधित एक बिल्कुल अलग मुद्दे से संबंधित थी, जो बांके बिहारी जी महाराज मंदिर से बिल्कुल अलग मुद्दा है। सर्वोच्च न्यायालय ने 15 मई, 2025 के आदेश में अन्य बातों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश राज्य को मंदिर के धन का उपयोग करके पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण करने की अनुमति देने का निर्देश दिया था।'' इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के 15 मई के आदेश के खिलाफ एक आवेदन दायर किया गया, जिसका मुख्य आधार यह था कि न तो मंदिर और न ही सेवायतों को वर्तमान विवाद में कभी पक्षकार बनाया गया था। शीर्ष अदालत ने 15 मई को राज्य द्वारा दायर पक्षकार बनाए जाने के एक आवेदन को स्वीकार कर लिया और मथुरा में 'श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर' को विकसित करने की उत्तर प्रदेश सरकार की योजना का मार्ग प्रशस्त कर दिया, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को लाभ होगा। इसने राज्य की इस याचिका को स्वीकार कर लिया कि बांके बिहारी मंदिर के धन का उपयोग केवल मंदिर के चारों ओर पांच एकड़ भूमि खरीदने के लिए किया जाए। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि मंदिर और 'कॉरिडोर' के विकास के लिए अधिग्रहित की जाने वाली भूमि देवता या ट्रस्ट के नाम पर होनी चाहिए।

बुजुर्ग महिला का थैला काटकर 60 हजार की चोरी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। दिनदहाड़े एक बुजुर्ग महिला का थैला काटकर 60 हजार रुपए चोरी का मामला सामने आया है। यह वारदात भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र के बाहर हुई। पीड़िता ने नगीना थाने में शिकायत दर्ज करा दी है। गांव बिंजाहेडी नगीना निवासी चंद्रो देवी पत्नी हरपाल सिंह सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक मंडी मोल गंज शाखा से 60 हजार रुपए निकालने गई थीं। इसके बाद वह एसबीआई की मिनी शाखा में आधार कार्ड निकलवाने चली गईं। इसी दौरान दो अज्ञात महिलाओं ने मिलकर उनके थैले में रखे पैसे किसी धारदार हथियार से काटकर निकाल लिए। चोर मौके से फरार हो गए। जब बुजुर्ग महिला को चोरी का पता चला तो वह सदमे में आ गईं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पीड़िता ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। नगीना के सीओ अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि पीड़िता से शिकायत मिल गई है। उन्होंने कहा कि महिला को सटीक घटनास्थल का पता नहीं है। प्लास्टिक का थैला नीचे से कटा हुआ है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

विवाहिता के पूर्व प्रेमी ने प्रेमिका को दी पति को छोडने की धमकी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। एक विवाहिता को पूर्व प्रेमी ने पति को नहीं छोड़ने पर दोनों को जान से मारने व विवाहिता की वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी दी है। विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। नहटौर थाना क्षेत्र के मोहल्ला नौधा की एक युवती ने नहटौर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसका प्रेम प्रसंग चांदपुर के मोहल्ला गोकुलनगर के एक युवक से चला था।जब उसने प्रेमी से शादी करने को कहा तो उसने शादी करने से इनकार कर दिया।उसके बाद दूसरी जगह उसकी शादी हो गई।अब पूर्व प्रेमी उसे तरह-तरह से परेशान कर रहा है। पति को छोड़ने के लिए दबाव बन रहा है। पति को नहीं छोड़ने पर उसे व उसके पति को जान से मारने की धमकी दे रहा है। इसके अलावा पूर्व के उसके वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर बदनाम करने की धमकी भी दी जा रही है। थानाध्यक्ष धीरज नागर ने बताया कि पीड़िता स्वाति की तहरीर पर आरोपी अंकित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

नाग पंचमी का कार्यक्रम मनाया गया

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। भारतीय शिक्षा समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अफजलगढ़ (बिजनौर) में नाग पंचमी का कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्य श्री प्रकाश वीर आर्य ने नाग पंचमी से संबंधित पौराणिक कथा छात्र-छात्राओं के समक्ष रखी। श्री अखिलेश सिंह ने नाग पंचमी के मनाए जाने वाले कारणों पर विस्तृत प्रकाश डालें बताया कि हर प्राणी का पृथ्वी पर विशेष महत्व है हमें सभी प्राणियों की रक्षा करनी चाहिए । नाग पंचमी के दिन हम नागों की पूजा करते हैं तथा उन्हें दूध अर्पित करते हैं ताकि वह प्रसन्न होकर हमें हमारे जीवन में सुख समृद्धि प्रदान करें। साथ ही साथ प्रफुल्ला चंद्र राय की जयंती के उपलक्ष में विज्ञान सप्ताह पर छात्र-छात्राओं द्वारा एल टी एम का निर्माण किया गया तथा विज्ञान के प्रयोग भी किए गए साथ ही साथ श्री आनन्द भूषण यादव के नेतृत्व में कुणाल एवं यश ने कक्षा में विज्ञान के कुछ तथ्यों से छात्राओं को अवगत भी कराया ।

खुली पंचायत में हुआ राशन डीलर अरूण कुमार का चयन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। ग्राम पंचायत सहानपुर नवादा में रिक्त चल रही राशन की दुकान को लेकर खुली बैठक के बाद चुनाव कराया गया।जिसमें अरुण कुमार को राशन डीलर के पद पर चुना गया।जानकारी के अनुसार नहटौर क्षेत्र की ग्राम पंचायत सहानपुर नवादा में राशन की दुकान पर अनियमिताओं को लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर राशन डीलर गुड्डी देवी व उसके पुत्र नितिन कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके बाद उक्त दुकान रिक्त चल रही थी। जिसको लेकर एजेंडा जारी करते हुए 28 जुलाई को ग्राम पंचायत के भवन में राशन डीलर के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई प्रभारी बीडीओ दीनदयाल ने बताया की राशन डीलर के चुनाव में अरुण कुमार, मनोज कुमार, उमर फारूक, नदीम अहमद ने अपने नामांकन कराए थे।जिसमें नदीम अहमद का नामांकन निरश्त हुआ। सबसे अधिक ग्रामीणों ने अरुण कुमार के समर्थन में अपनी सहमति जताई। अरुण कुमार के समर्थन में 193 लोगों ने मोहम्मद उमर फारूक के पक्ष में दो व मनोज कुमार के पक्ष में एक ने अपनी सहमति जताई। जिसके बाद अरुण कुमार को राशन डीलर चुना गया। इस मौके पर एडीओ पंचायत मनोज कुमार, ग्राम प्रधान अजीजुद्दीन, ग्राम विकास अधिकारी दीप अमर राही, अन्य ग्रामीण व ब्लॉक के कर्मचारी मौजूद रहे।

सांसद डिम्पल यादव पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मौलाना के खिलाफ एसएसपी से की शिकायत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। मंगलवार को सपाइयों ने मैनपुरी से सांसद डिम्पल यादव पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ विरोध जताया। एसएसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। सपाइयों ने मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जल्द गिरफ्तारी की मांग की। मौलाना के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए ताकि वह जीवन मे कभी भी किसी महिला पर टिप्पणी न कर सके। बता दें कि पिछले दिनों मौलाना साजिद रशीदी ने सांसद डिम्पल यादव के कपड़ों को लेकर अभद्र टिप्पणी कर दी थी। जिसके बाद मामला बढ़ता चला गया। मौलाना के खिलाफ चारों तरफ विरोध दर्ज कराया जा रहा है। इसी के क्रम में मंगलवार को सुनीता यादव जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी (महिला सभा अलीगढ़) के नेतृत्व में सपाई एसएसपी ऑफिस पहुंचे। उन्होंने एसएसपी से लिखित शिकायत की। जिसमे उन्होंने कहा कि सांसद डिम्पल यादव सदैव महिला सशक्तिकरण, गरिमा और सम्मान की आवाज रही हैं, उनके विरुद्ध मौलाना साजिद रशीदी ने एक सार्वजनिक मंच पर अशोभनीय, अभद्र व आपत्तिजनक टिप्पणी की है। ये टिप्पणी न केवल एक सम्मानित महिला सांसद का अपमान है, बल्कि समश्त महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली है।

सोने की चूड़ियां बदलकर BM इस्तीफा देकर भागा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मणप्पुरम फाइनेंस की शास्त्रीनगर शाखा के प्रबंधक ने गिरवी रखी सोने की चूड़ियां

बदल दीं और इश्तीफा देकर चला गया। ऑडिट में नकली चूड़ियां मिलने पर फर्जीवाड़े का पता चला।

जांच में सामने आया कि चूड़ियां सर्राफ को बेचने के बाद प्रबंधक ने अपने सहकर्मी को भी रूपये दिए थे। शाखा के सहायक प्रबंधक ने दोनों के खिलाफ कविनगर थाने में केस दर्ज कराया है। जिला शिवपुरी मध्यप्रदेश के गांव चिताहारी निवासी संदेश मिश्रा ने कविनगर थाने में दी शिकायत में कहा है कि वह मणप्पुरम फाइनेंस कंपनी की शास्त्रीनगर आई-ब्लॉक शाखा में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं।

बेलगवी कर्नाटक निवासी राजेसव महबूब अलगार उनकी शाखा में प्रबंधक थे, जो चार जून 2025 को शाखा में तैनात हुए थे। संदेश मिश्रा का कहना है कि राजेसव महबूब अलगार ने 14 जुलाई को कंपनी से इश्तीफा दे दिया। शाखा प्रबंधक के इश्तीफे के बाद कंपनी के ऑडिटर रवि 26 जुलाई को शाखा में आए और गिरवी रखे सोने को जांचा। इस दौरान एक पैकेट पर कंपनी के स्टीकर की जगह उसके जैसा ही स्टीकर बनाकर लगाया हुआ था। ऑडिटर ने पैकेट खोलकर देखा तो उसमें चार चूड़ियां थीं।

जांचने पर चूड़ियां निकली निकलने पर हड़कंप मच गया। इसके बाद कंपनी के उच्चाधिकारियों को सूचित किया गया। उच्चाधिकारियों ने कंपनी में जांच-पड़ताल की तथा पूर्व शाखा प्रबंधक राजेसव महबूब अलगार के रूममेट रोहित यादव से भी पूछताछ की। रोहित यादव भी शाखा में जूनियर स्टाफ के तौर पर कार्यरत है।

चार जुलाई को सोना बदला और 14 जुलाई को इस्तीफा दिया

संदेश मिश्रा के मुताबिक शाखा के जूनियर स्टाफ रोहित यादव ने बताया कि राजेसव महबूब अलगार चार जुलाई को शाखा से पैकेट निकालकर कमरे पर लाया था। पैकेट में करीब पांच तोला सोने की चार चूड़ियां थीं। राजेसव महबूब अलगार पानीपत के वर्मा ज्वेलर्स को चूड़ियां बेचीं और वहीं से नकली चूड़ियां बनवाईं और उन्हें शाखा में रख दिया। रोहित यादव ने यह भी बताया कि चूड़ियां बेचने के बाद राजेसव महबूब अलगार ने उसे भी 20 हजार रुपये, एक कूलर और एक पंखा दिया था।

इसके अलावा बाकी रकम लेने के लिए वह राजेसव महबूब अलगार को व्हॉट्सऐप पर मैसेज लिख रहा था और राजेसव महबूब अलगार जवाब भी दे रहा था। लेकिन पोल खुलने पर उसने मैसेज डिलीट कर दिए। संदेश मिश्रा का कहना है कि फर्जीवाड़ा खुलने पर रोहित यादव को पुलिस के हवाले कर लिखित शिकायत दी गई। एसीपी कविनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर शाखा के पूर्व प्रबंधक राजेसव महबूब अलगार और जूनियर स्टाफ रोहित यादव के खिलाफ

एक और पालिका का झूठ, नगर पालिका चेयरमैन द्वारा की गई सौंदर्य करण की वीडियो का श्री रामलीला कमेटी ने किया खंडन

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

श्री रामलीला मैदान के सौन्दर्य करण को लेकर एक विडियों वहाटस्प एवं फेसबुक पर नगर पालिका चेयरमेन द्वारा प्रसारित किया जा रहा है। जिसमें विकास उनके द्वारा कराया गया,जबकि श्री रामलीला कमेटी स्योहारा ने इसका खंडन किया।

सोमवार 28 जुलाई 2025 को नगर पालिका चेयरमैन द्वारा डाली गई वीडियो का मामला सामने आया। श्री रामलीला मैदान के सौन्दर्य करण के समबन्ध में एक विडियों वहाटस्प एवं फेसबुक पर नगर पालिका चेयरमेन द्वारा प्रसारित की जा रही है ।जिसमें दर्शाया गया है कि मैदान का सौन्यकरण नगर पालिका स्योहारा ने कराया है। जबकि श्री रामलीला कमेटी स्योहारा के अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी ने इसका खण्डन किया। त्यागी ने बताया कि मैदान का सौन्दर्य करण श्री रामलीला कमेटी के २ वर्ष के निरन्तर प्रयास से माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जिलाधिकारी जिला बिजनौर के प्रयास से अवध शुगर मिल्स स्योहारा द्वारा उनके सौजन्य से कराया गया है।

आरोप है कि नगरपालिका स्योहारा का मैदान के सौन्दर्य करण में किसी भी प्रकार का कोई योगदान नहीं है। क्योंकि यह ग्राम खलीलपुर में आता है इसलिए नगर पालिका का कोई लेना-देना नहीं है। इस मौके पर रामलीला मंच के अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी राजपाल प्रजापति नीतू जोशी विनोद तोमर मौजूद रहे।

बिजली की समस्याओं को लेकर भाकियू लोक शक्ति ने किया धरना प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना के ग्राम औरंगाबाद उर्फ लाल वाला के बिजली घर पर भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के द्वारा जिला महासचिव गुरपेज सिंह गुरी की अध्यक्षता में धरना दिया गया,जिसमें बिजली घर से संबंधित क्षेत्र की जनता की समस्याएं जैसे रात के समय में जंगल से सटे गांव में बड़े जानवर हाथी गुलदार का खतरा रहता है।

रात के समय में बार बार रोस्टिंग की समस्या, हर महीने बिल न बनना , खराब मीटरो का ना बदला जाना, बारिश के समय में बार-बार ट्रिपिंग होना, लो वोल्टेज समस्या व अभद्र व्यवहार करने वाले बिजली विभाग के कर्मचारियों को चेतावनी दी गई कि ग्रामीणों के साथ अभद्र व्यवहार बिल्कुल सहन नहीं किया जाएगा और भविष्य में यदि ग्रामीण के साथ अभद्र व्यवहार किया गया तो भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति लंबे समय तक धरना प्रदर्शन करेंगा। इन समस्याओं का समाधान कराने के लिए भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने बिजली घर पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

धरना स्थल पर पहुंचे विद्युत विभाग के एसडीओ व जेई और कर्मचारियों को जल्द जल्द समस्या समाधान हों चाहिए जिस पर एसडीओ के द्वारा आश्वासन दिया गया कि इन समस्याओं को जल्द से जल्द समाधान होगा।

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति को आश्वासन मिलने के बाद नगीना एसडीओ को ज्ञापन दिया और धरना समाप्त किया गया।

उपस्थित रहे मंडल महासचिव मोहित चौधरी, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सरदार जसवीर सिंह, जिला सचिव दिलशाद अंसारी,क्षेत्रीय अध्यक्ष सरदार बलदेव सिंह,तहसील उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, ग्राम अध्यक्ष औरंगाबाद टीकाराम सिंह, सूर्यवंशी दिलेराम, मो. यामीन, लाखन कुमार, युवा नेता राजा कुमार, मलकीत सिंह, सोनू कुमार , मोनू कुमार, सचिन चौधरी, विंटू पाल, राकेश पाल, दीपक कुमार आदि शामिल रहे।

बुरी संगत का विरोध करने पर तलाक देकर पत्नी का काट डाला गला

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नजीबाबाद के पडोसी गाँव अलीपुरा में 45 वर्षीय नजाकत ने अपनी पत्नी साहिबा का गला सोते समय चाकू से काट दिया और फरार हो गया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार अलीपुरा निवासी 45 वर्षीय नजाकत ने अपनी पत्नी का सोते समय चाकू से गला काट दिया और मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार नजाकत ने रात के समय लगभग एक बजे कमरे में सो रही पत्नी साहिबा का चाकू से गला काट दिया।, जिससे उसकी मौत हो गई। नजाकत घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया। बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जा रहा है कि नजाकत ने 10 दिन पूर्व अपनी पत्नी साहिबा को तलाक दे दिया था और पहाड़ पर काम करने गया था। दो दिन पहले वह वापस आया था। आरोप है कि नजाकत घर में अक्सर क्लेश करता था। नजाकत सट्टा खेलने का आदी था। साहिबा उसकी दूसरी पत्नी है, जिससे उसके चार बच्चे हैं। साहिबा बिहार की रहने वाली है। पहली पत्नी भूरी के बच्चों की शादी भी हो चुकी है।

प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने डीएम एसपी के साथ किया कान्हा गो आश्रय स्थल का निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

कपिल देव अग्रवाल, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग उत्तर प्रदेश एवं प्रभारी मंत्री बिजनौर द्वारा आज बिजनौर भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम नगर पालिका परिषद-बिजनौर वर्ष 2019 में स्थापित कान्हा गौ आश्रय स्थल का विश्तृत रूप से निरीक्षण किया गया।

कान्हा गौ आश्रय स्थल बिजनौर की क्षमता 200 गौवंश की है, जिसमें 106 वर्तमान में 105 नर एवं मादा कुल 211 गौवंश संरक्षित हैं। उक्त गौ आश्रय स्थल-बिजनौर से अब तक कुल 94 गौवंश मुख्यमन्त्री सहभागिता योजना के अन्तर्गत दिये जा चुके हैं।

कान्हा गौ आश्रय स्थल में 04 शेड बने है तथा 02 चरही गौवंश को साफ पानी पिलाने के लिए बनी है तथा गौवंशों को स्वच्छ पानी की व्यवस्था के लिए एक सबमर्सिबल की सुविधा उपलब्ध है।

गौवंश की देखभाल एवं अन्य व्यवस्था के लिए 05 केयर टैकर दिन में तथा 04 केयर टैकर रात्रि में उपलब्ध रहते हैं। गौ आश्रय स्थल में 01 कैटल केचर तथा 01 काऊ लिफ्टिंग मशीन उपलब्ध है।

गौवंशों की सुरक्षा के लिए गौ आश्रय स्थल के चारों ओर पक्की चार दीवारी है तथा कैमरों की सहायता से गौवंश की 24 घण्टे निगरानी की जाती है।

गौ आश्रय स्थल में गौवंश की चिकित्सा के लिए अलग से ट्रीटमेन्ट रूम उपलब्ध है। गौवंश के भरण-पोषण के लिए प्रतिदिन 45 कु० हरा चारा क्रय किया जाता है।

02 कु० चौकर भी प्रतिदिन गौवंशा को दिया जाता है। गौ आश्रय स्थल से उत्पादित गोबर को विक्रय कर निश्तारित किया जाता है, जिससे गौ आश्रय स्थल की आय होती है। मंत्री ने निरीक्षण के दौरान निराश्रित नवजात गोवंश को फीडर के द्वारा दुग्धपान कराया गया। इस अवसर पर विधायक सदर श्रीमती सूचि चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान, जिलाधिकारी जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, अपर जिला अधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती इंदिरा सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ लोकेश अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी विकास कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि मौजूद थे।

नशे में छत से गिरकर हुई युवक की मोत से परिवार में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के ग्राम झाड़पुरा में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में युवक की जान चली गई।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी नीरज कुमार (28 वर्ष) पुत्र वीरेंद्र सिंह रविवार रात्रि लगभग 9:30 बजे नशे की हालत में घर की छत से नीचे गिर गया। गिरने से उसके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अफजलगढ़ लेकर पहुंचे।

डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे तत्काल हाई सेंटर रेफर कर दिया। जहां सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई परिजनों ने बताया कि नीरज को लंबे समय से नशे की लत थी। कई बार समझाने के बावजूद वह नशा करना नहीं छोड़ सका।

रविवार को भी उसने अत्यधिक मात्रा में नशा किया हुआ था, जिससे उसका संतुलन बिगड़ा और वह छत से नीचे गिर गया नीरज की असामयिक मौत से गांव में शोक की लहर है। परिजन गहरे सदमे में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नशे की लत ने एक और युवा की जिंदगी छीन ली। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है, हर कोई इस दुखद घटना से श्तब्ध है।

पिंजरे में कैद हुआ गुलदार, मचा हड़कंप

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

बीते कुछ दिनों से गुलदार का आतंक बना हुआ है। गुलदार आखिरकार वन विभाग के बिछाए पिंजरे में कैद हो ही गया। इससे स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है।

वन विभाग ने दो दिन पूर्व गांव केशोपुर में ग्रामीणों की मांग पर शुगर मिल के शक्ति फार्म पर पिंजरा लगाया था। वन विभाग ने गुलदार का मेडिकल परीक्षण कर सुरक्षित स्थान पर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

क्षेत्र के गांव केशोपुर में पिछले काफी दिनों से गुलदार की आमद से ग्रामीणों में भय व्याप्त था। वन विभाग ने ग्रामीणों की मांग पर दो दिन पूर्व गांव केशोपुर में स्थित शुगर मिल के फार्म पर पिंजरा लगाया था। शनिवार की रात्रि लगभग तीन वर्षीय मादा गुलदार पिंजरे में कैद हो गयी। जब वन विभाग की टीम पिंजरे की जांच करने पहुंची तो गुलदार उसमें कैद मिला। उप वन क्षेत्रीय अधिकारी विजय भारत सिंह ने तुरंत मौके पर पहुंचकर गुलदार को सुरक्षित रूप से जंगल में भेजने की प्रक्रिया शुरू की। विजय भारत सिंह ने बताया कि यह एक पूर्ण विकसित मादा गुलदार है और फिलहाल उसकी स्थिति सामान्य है। उसका मेडिकल परीक्षण करा कर जल्द ही उसको सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा।

महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगवाई झूला झूलकर तीज़ मनाई

धामपुर शुगर मिल में छवी शर्मा बनी तीज क्वीन

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

धामपुर शुगर मिल के उपाध्यक्ष निष्काम गुप्ता जी के द्वारा धामपुर शुगर मिल क्लब के सदस्यों के लिए हरियाली तीज का बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजन कराया गया। पुष्प निकेतन स्कूल के ऑडिटोरियम में हरियाली तीज का आयोजन किया गया।

जिसमें डी एस एम क्लब के अध्यक्ष विकास अग्रवाल और उनकी पत्नी मोना अग्रवाल ने संयुक्त रूप से हरियाली तीज के आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर महिलाओं, बच्चों तथा लड़कियों के लिए झूले, सेल्फी प्वाइंट बनाए गए थे।, जिसका सभी ने खूब बढ़-चढ़कर के लुफ्त उठाया ।

हरियाली तीज पर्व के आयोजन की शुरुआत दीप प्रज्वलन, गणपति वंदना, भजन कीर्तन करके किया गया,उसके पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती मिताली गुप्ता को बुके देकर के स्वागत किया गया। मुजफ्फरनगर से आये विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अमित गुप्ता, आरती गुप्ता यश एवं सुनंद गुप्ता को डी. एस.एम. क्लब की ओर से बुके देकर के स्वागत किया गया।

तीज क्वीन के लिए कई प्रतियोगिताएं रखी गई थी। जिनमें मेहंदी प्रतियोगिता, डांस, कैटवॉक, आदि प्रमुख थे। तीज क्वीन प्रोग्राम की एंकरिंग मोना अग्रवाल एवं अनु कश्यप के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मिस स्मृति यादव का हरियाली तीज के संचालन में विशेष सहयोग रहा।

सोलो डांस में सपना शर्मा, मोना शर्मा, दीपा सिंह, शिखा, नीरज एवं छवी शर्मा ने भाग लिया। स्किट प्रोग्राम में शिवा, मोना एवं सौजन्या ने भाग लिया। कैटवॉक में छवि, सपना शर्मा, मोना शर्मा, दीपा सिंह तथा शिखा राठौर ने बढ़-चढ़ करके हिस्सा लिया, इसके अलावा महिलाओं एवं पुरुषों के लिए विशेष सरप्राइज का भी आयोजन किया गया था।

युगल डांस में विवेक एवं शिवा यादव तथा लायक राम एवं कविता ने भाग लिया। ग्रुप डांस में शिवा, मोना शर्मा, सौजन्या, रेनू सिंह,नीरज मलिक, सोलो सॉन्ग में लायक राम तथा प्रवीण भारतीया ने अपनी स्वरचित रचनाएं सुनाई। विनोद सिंह राणा ने बीवी का गुलाम होना चाहिए इस गाने पर डांस एवं एक्टिंग करके सभी क्लब के सदस्यों को हंसने के लिए मजबूर कर दिया।

16 श्रृंगार के लिए सोनी अग्रवाल, बेस्ट हेयर स्टाइल के लिए सपना शर्मा, मिसेज ब्यूटीफुल के लिए मोना शर्मा, छोटी बिंदी के लिए नेहा अग्रवाल एवं समयबद्धता के लिए पुष्पा गुप्ता को पुरस्कार देकर के सम्मानित किया गया। पुरुषों में पुरस्कार पाने वालों में अजय पांडेय,वेंकटेश, रजनीश चौहान, नरेश सिंह आदि रहे।

हरियाली तीज में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के निर्णायक मंडल में सीता सिंह एवं पुष्पा गुप्ता रही। रवि शंकर अग्रवाल एवं शशि अग्रवाल को विशिष्ट एवं वरिष्ठ क्लब के सदस्य होने के लिए श्री निष्काम गुप्ता जी एवं उनकी पत्नी श्रीमती मिताली गुप्ता के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

हरियाली तीज के कार्यक्रम में उपेंद्र तोमर, ओमवीर सिंह, अभय शर्मा, करुण अग्रवाल, दुर्गेश राठौर, सत्यवीर सिंह, विवेक सिंह यादव, पवन शर्मा, सुरेंद्र सिंह, निखिल, लवकुश चौहान, मुकेश कश्यप, दिनेश भारती, हिमांशु शर्मा, हारून, मनोज चौहान, श्याम अग्रवाल, शरद गहलोत, गोविंद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, उज्जवल सिंह, योगेंद्र सिंह, सौरभ वर्मा सुरेश सिंह, वीरेंद्र सुपरवाइजर, चितरंजन, सुमित शर्मा, राकेश, विक्रम एवं अजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन कारखाना महाप्रबंधक विजय कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया।

भाजपा नेता की पुत्री ने जीता अवार्ड

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भाजपा नेता रोहित रवि की पुत्री शनाया सिंह जनपद श्तरीय इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता जीतकर राज्य श्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित।

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित इंस्पायर अवार्ड-मानक 2024-25 जिसके अंतर्गत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्र एवं छात्राओं को नवाचार (Innovation) करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

जनपद श्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन रामपुर में किया गया जिसमें प्रतिभाग कर रोहित रवि की पुत्री शनाया सिंह छात्रा मिल्टन एजुकेशनल अकैडमी बिलासपुर-रामपुर ने जनपद श्तरीय प्रतियोगिता में 'मनी डिटेक्शन मशीन' बनाकर प्रतियोगिता जीती एवं उनका राज्य श्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रदर्शनी जो कि लखनऊ में आयोजित की जाएगी के लिए चयन किया गया।

प्रतियोगिता जीतने पर अब 50 हजार रुपए की धनराशि भारत सरकार की ओर प्रोजेक्ट को बनाने के लिए सहायता स्वरूप दी जाएगी।

अवार्ड जीतने के उपलक्ष में मिल्टन एजुकेशनल अकैडमी के डायरेक्टर बलवीर सिंह मली एवं प्रधानाचार्य अनीता सिंह एवं कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर राखी उप्पल ने संयुक्त रूप से शनाया सिंह एवं उनके पिता रोहित रवि को जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जारी प्रमाण पत्र, मेडल एवं शील्ड देकर विद्यालय में सम्मानित किया।

लखनऊ से आई चार सदस्यो की टीम ने किया फरीदाबाद पंचायत का निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

शासन के निर्देशानुसार लखनऊ से आई टीम ने ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत फरीदाबाद महमूदपुर मिलक में पहुंचकर मंगलवार को पंचायत का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन सामुदायिक शौचालय सफाई व्यवस्था स्कूल व्यक्तिगत शौचालय आंगनबाड़ी केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया।

मंगलवार को लखनऊ से चार सदस्यों की टीम जिसमें सुदर्शन कुमार, शिवकुमार, अचल कुमार, मुकुल कुमार चारों सदस्यों ने नहटौर ब्लॉक पहुंचकर ग्राम पंचायत फरीदाबाद में सुदर्शन, शिव कुमार ने ग्राम पंचायत में बने पंचायत भवन सामुदायिक शौचालय व्यक्तिगत शौचालय स्कूल आंगनबाड़ी केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया तथा गांव की साफ सफाई का भी स्थलीय निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान ग्राम विकास अधिकारी दीप अमर रही ग्राम प्रधान फरमान अहमद ग्राम पंचायत सहायक आदि ब्लॉक कमी मौजूद रहे।

ग्राम महमूदपुर मिल्क में अंचल कुमार मुकुल कुमार ने ग्राम पंचायत में बने पंचायत घर सामुदायिक शौचालय स्कूल आंगनबाड़ी केंद्र सफाई व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं के बारे में जानकारी ली साथ योजनाओं का लाभ मिलने के बारे में जानकारी इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव जयवीर कुमार ग्राम प्रधान नरेश कुमार अन्य ब्लॉक की टीम मौजूद रही।

टीम के सदस्यो ने बताया कि जांच की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना (ई–टेंडरिंग द्वारा)

कार्य का नाम तथा स्थानः दिल्ली डिवीजन में डेटालागर के ऑग्मेंटेशन और अपग्रेडेशन के संबंध में सिग्नलिंग का काम।	
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	**Rs. 7,44,37,223.52/-**
धरोहर राशि (₹)	**Rs. 5,22,200.00/-**
कार्यालय का पताः वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055	
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय **28.07.2025 / निविदा खुलने का दिनांक 19.08.2025 15.00** बजे तक
वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें या देखे नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
निविदा संख्याः **558-Sig-16-M-TENDER-1455** दिनांकः 28.07.2025	**2311/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

भारत के लाखों नागरिकों को क्यों भा रहा है विदेश?

भारत के सक्षम नागरिकों में पिछले कुछ सालों में देश छोड़कर विदेश में बसने की प्रवृत्ति ज्यादा ही बढ़ गई है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि संसद के उच्च सदन में विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बता रहे हैं। लाखों की तादाद में न सिर्फ विदेश में बसने बल्कि भारतीय नागरिकता छोड़ने के जो आंकड़े सामने आए हैं वे देश की दशा और दिशा तय करने वालों से तीखे सवाल भी कर रहे हैं।

आखिर देशभक्ति और देशप्रेम की विदेश में अलख जगाने का दम भरने वाले इन खासम-खास लोगों को हुआ क्या है, जो वतन की तरफ पलट कर देखना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। आखिर किससे और क्योंकर गलती या गुनाह हुआ, जिसका दर्द हमारे प्यारे हिंदुस्तान को सहना पड़ रहा है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है कि जन्मभूमि के लिए सभी समान होते हैं, फिर चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या सम्प्रदाय का ही क्यों न हो। अमीर हो या गरीब, काला हो कि गोरा, कद में ऊंचा हो कि नाटा, खान-पान, रहन-सहन और पहनावा कुछ भी क्यों न हो पहले तो वह भारतीय ही है, जिसे माँ भारती ने अपनी गोद में बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा है। आज वही लाड़ले विदेश में बसने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? या फिर विदेशी कहलाने को स्टेटस-सिंबल बना यहां से क्यों मुंह मोड़ रहे हैं? शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के साथ ही रोजगार जैसे अनगिनत हैं जिनके जवाब आज नहीं तो कल कर्ता-धर्ताओं को देने ही होंगे। आखिरकार लाखों करोड़पतियों का यूं भारत छोड़ देना, देश और समाज के लिए हानिकारक ही माना जाएगा।

इससे पहले कि विदेश जाने और हमेशा के लिए वहीं बस जाने के कारणों पर विचार करें यहां उच्च सदन में प्रस्तुत आंकड़ों पर भी एक नजर दौड़ा लेते हैं। दरअसल राज्य सभा में राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में भारतीय नागरिकता त्यागने संबंधी एक सवाल के जवाब में जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं वो पहली ही नजर में गंभीर और चिंता में डालने वाले हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में 2, 06, 378 भारतियों ने नागरिकता छोड़ी है। इससे पहले साल 2023 में 2, 16, 219, 2022 में 2, 25, 620, साल 2021 में 1, 63, 370, साल 2020 में 85, 256 और साल 2019 में 1, 44, 017 लोग भारतीय नागरिकता त्याग चुके हैं। इस प्रकार बीते वर्ष में ही 2 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपने वतन की नागरिकता छोड़ विदेश की नागरिकता ले ली है।

इससे हटकर पूरी दुनिया में भारत के लाखों लोग ऐसे भी हैं जो पूरी जिंदगी तो विदेश में गुजार देते हैं लेकिन वहां कि नागरिकता नहीं लेते हैं। मतलब साफ है कि ग्रीन कार्डधारी बनकर विदेश में जीवन गुजारना इन्हें पसंद आ जाता है। ऐसे ज्यादातर लोग सिर्फ मजबूरी में या विशेष ओकेजन में तफरी के तौर पर देश का रुख करते हैं। जो कमाई के लिए या अन्य कारणों से मजबूरीवश विदेश में रह रहे होते हैं उनके लिए जरूर विदेश में रहना किसी सजा से कम नहीं होता है। हमेशा अपनों की कमी और देश की मिट्टी की खुशबू से वंचित होने का दर्द इन्हें सालता रहता है। खुशी का पल हो कि गम का पहाड़ उन्हें सदा अपने वतन के साथ अपनों की याद दिलाने के लिए काफी होता है। ऐसे समय में ये मजबूरी को कर्तव्य समझ घुटनभरी जिंदगी जीते हैं। इनकी तादाद अन्य से बहुत कम होती हो, ऐसा नहीं है, फिर भी इनकी सुनवाई न तो यहां होती है और न ही वहां। जिन्हें परवाह होती है वे खुद दूसरों के एहसान और खुद की लाचारी के बोझ तले दबे होते हैं।

ऐसे में ईश्वर ही इनका मालिक होता है। इन सब को मिला लें तो भारतीय प्रवासी दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय बन जाता है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक प्रति वर्ष 2.5 मिलियन (25 लाख) भारतीय विदेशों में प्रवास करते हैं, जिससे भारत दुनिया का सबसे ज़्यादा वार्षिक प्रवासियों वाला देश भी कहलाता है। कोटक प्राइवेट द्वारा ईवाई के साथ साझेदारी में किए गए एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक 22 प्रतिशत अति-धनी भारतीयों ने बेहतर जीवन श्तर, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और व्यापार में आसानी के लिए देश छोड़ने की इच्छा व्यक्त की। इससे साफ है कि जो नागरिक देश छोड़ चुके हैं सो वो तो छोड़ ही चुके हैं अब आगे भी लाखों भारतीय विदेश जाने की तैयारी में बैठे हुए हैं।

सरकारी आंकड़े बतलाते हैं कि भारत में करोड़पतियों की आबादी बढ़ी है, बावजूद इसके करों के बोझ और जाँच व आर्थिक व्यवसायिक औपचारिकताओं के कारण बड़ी संख्या में लोग भारत छोड़ रहे हैं। ऐसे में संयुक्त अरब अमीरात भारतीयों के गंतव्य की पसंदीदा जगह बन गई है। यहां की शून्य-कर व्यवस्था और जिंदगी जीने को आसान बनाने वाले प्लान धनाढ्य भारतियों को आकर्षित करते हैं। यूएन वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 1.8 करोड़ भारतीय प्रवासी हैं। प्रवासियों के पसंदीदा देशों की बात करें तो रिपोर्ट बताती है कि एनआरआई और पीआईओ कैटागिरी को मिलाकर अमेरिका में कुल भारतीय आबादी 54, 09, 062 है, जबकि कनाडा में 28, 75, 954, मलेशिया में 29, 14, 127, सऊदी अरब में 24, 63, 509, कुवैत में 9, 95, 528, ब्रिटेन में 18, 64, 318, दक्षिण अफ्रीका में 17, 00, 000, श्रीलंका में 16, 07, 500 कुल भारतीय आबादी है। इसी के साथ बताया जाता है कि यूएई, सऊदी अरब और कुवैत में बेहतर रोजगार के अवसर और निवेश के खुले राश्ते भारतीयों को आकर्षित करते हैं। जबकि श्रीलंका, मलेशिया, म्यांमार और सिंगापुर में ऐतिहासिक प्रवासन के साथ ही व्यापारिक संबंधों के चलते भारतीय आबादी पुरानी है।

भारत विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 तक दुनिया में कुल लगभग 3.542 करोड़ भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। ये आंकड़े बता रहे हैं कि भारत से सबसे ज्यादा लोग विदेशों में बस चुके हैं, जिन्हें बेहतर जिंदगी जीने की लालसा है और कुछ बेहतर करने की जिज्ञासा है। इसी प्रकार हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2025 बताती है कि भारत सालाना सबसे ज्यादा करोड़पतियों को खोने वाले शीर्ष पांच देशों में से एक है। आश्चर्यजनक और चिंतनीय बात यह है कि इन करोड़पतियों के अपने साथ 26.2 बिलियन डॉलर की संयुक्त संपत्ति देश से बाहर ले जाने की उम्मीद जताई जा रही है। इसलिए इसे गंभीरता से लेने की बात है।

बीएसएनएल के बाद अब सरकारी स्कूलों की बारी

डॉ. प्रियंका सौरभ

जब भी कोई सरकार राष्ट्रहित की बातें करती है, तो नागरिकों को यह समझना चाहिए कि इन कथित राष्ट्रहितों से वास्तव में लाभ किसका हो रहा है। आज का भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ जनसेवाओं को योजनाबद्ध ढंग से निजी हाथों में सौंपा जा रहा है।

जिसे हम सुधार कह रहे हैं, वह दरअसल एक सुनियोजित विनिवेश है-जिसमें जनता के अधिकारों को धीरे-धीरे छीनकर बाजार की वस्तुओं में तब्दील किया जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे बड़ा उदाहरण भारत संचार निगम लिमिटेड यानी बीएसएनएल है, और अब यही प्रयोग भारत के सरकारी स्कूलों पर किया जा रहा है।

बीएसएनएल कभी देश के कोने-कोने तक पहुंचने वाली संचार प्रणाली थी। पहाड़ों, सीमावर्ती क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों तक जहाँ कोई निजी कंपनी नहीं पहुंच पाती थी, वहाँ भी बीएसएनएल की सेवाएं थीं। लेकिन सरकारों ने धीरे-धीरे उसकी गति को रोकना शुरू किया।

नई तकनीकें लाने से उसे रोका गया, 4जी सेवा देने में टालमटोल की गई, कर्मचारियों की संख्या घटाई गई, और वित्तीय सहायता सीमित कर दी गई। नतीजा यह हुआ कि देश की एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कंपनी धीरे-धीरे कमजोर होती गई। इसके समानांतर जिओ जैसी निजी कंपनियों को हर स्तर पर प्रोत्साहन दिया गया। उन्हें स्पेक्ट्रम भी सस्ते में मिला, नियमों में ढील भी दी गई और प्रशासनिक मदद भी। अंततः बीएसएनएल को कमजोर कर दिया गया और निजी कंपनियां बाजार पर छा गईं।

यही परिदृश्य अब शिक्षा के क्षेत्र में दोहराया जा रहा है। सरकारी स्कूलों को योजनाबद्ध तरीके से बदनाम किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वहाँ पढ़ाई का श्तर खराब है, छात्र कम हैं, परिणाम अच्छे नहीं आते। लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि इन स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की संख्या कितनी है, कितने वर्षों से स्थायी नियुक्तियाँ रुकी हुई हैं, स्कूल भवन कितने जर्जर हैं, पुस्तकालय और प्रयोगशालाएँ कहाँ हैं। बच्चों को स्कूल तक पहुँचाने के लिए परिवहन की क्या व्यवस्था है? यह सब कुछ जानबूझकर उपेक्षित किया गया है, ताकि एक छवि बनाई जा सके कि सरकारी स्कूल असफल हैं।

जब सरकारी स्कूल कमजोर दिखेंगे तो समाज का भरोसा स्वतः कम होगा। फिर अभिभावक मजबूरीवश अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने लगेंगे, भले ही उनकी आर्थिक स्थिति इसकी अनुमति न देती हो। यह एक बहुत ही गहरी और खतरनाक रणनीति है। पहले सेवाओं को कमजोर करो, फिर जनता को विकल्पहीन बनाओ, और अंततः निजी सेवाओं की ओर धकेलो।

आज जितने भी बड़े निजी स्कूल हैं, उनके पीछे कोई न कोई राजनीतिक या प्रशासनिक व्यक्ति खड़ा है। किसी मंत्री की पत्नी का ट्रस्ट, किसी पूर्व सांसद का चैरिटेबल फाउंडेशन, किसी नौकरशाह का एनजीओ-यही वो नाम हैं जो प्राइवेट स्कूलों की चकाचौंध के पीछे हैं। ऐसे में जब शिक्षा नीति बनाई जाती है, तो लाभ इन्हीं को पहुँचता है। सरकार कुछ नीति बनाती है, और उन्हीं नीतियों से उनके अपने स्कूलों को फायदा होता है।

अब स्थिति यह हो गई है कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार भी भारी शुल्क भरकर अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। स्कूलों में प्रवेश शुल्क, मासिक शुल्क, वार्षिक शुल्क, यूनिफॉर्म, किताबें, स्मार्ट क्लास, ट्रांसपोर्ट-हर चीज़ पर पैसा लिया जाता है और शिक्षा को उत्पाद बनाकर बेचा जाता है। यदि कोई माता-पिता फीस देने में देरी करें तो बच्चे को अपमानित किया जाता है या स्कूल से निकालने की धमकी दी जाती है। क्या यही

शिक्षा का उद्देश्य है?

इसी बीच सरकारी स्कूलों को 'मर्ज' करने की नीति लाई जाती है। जहाँ बच्चों की संख्या कम हो, उन्हें पास के स्कूल में मिलाने का सुझाव आता है। लेकिन यह नहीं देखा जाता कि क्या दूरी ज़्यादा है? क्या वहाँ पर्याप्त शिक्षक हैं? क्या छात्राओं की सुरक्षा का ध्यान रखा गया है? नीतियाँ केवल आंकड़ों में अच्छी दिखती हैं, ज़मीन पर नहीं।

आज शिक्षा का अधिकार कानून भी केवल एक कागज़ी दशतावेज़ बन कर रह गया है। विद्यालय प्रबंधन समितियाँ केवल नाम की हैं। सरकारें अपने बजट में शिक्षा को प्राथमिकता नहीं देतीं। खर्चों में कटौती की जाती है, शिक्षकों की भर्ती वर्षों तक नहीं होती, और जो शिक्षक हैं, उन्हें गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगा दिया जाता है। कभी चुनाव की ड्यूटी, कभी जनगणना, कभी टीकाकरण अभियान-शिक्षकों से हर काम करवाया जाता है सिवाय पढ़ाने के।

इन सबके बीच अंग्रेज़ी भाषा को इस तरह से प्रस्तुत किया गया है जैसे बिना अंग्रेज़ी बोले जीवन असंभव है। निजी स्कूलों ने अंग्रेज़ी माध्यम को श्रेष्ठता का पर्याय बना दिया है। बच्चे यदि अंग्रेज़ी में दो वाक्य बोल लें तो उन्हें स्मार्ट और सफल मान लिया जाता है, भले ही उनके पास विषय की समझ न हो। वहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाला बच्चा चाहे जितना बुद्धिमान हो, पर यदि वह हिंदी में बात करता है, तो उसे पिछड़ा समझा जाता है। यह मानसिक गुलामी की पराकाष्ठा है।

सरकारी स्कूल केवल भवन नहीं हैं, ये समाज के सबसे पिछड़े और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा की आशा हैं। ये बच्चे जिनके माता-पिता खेतों में मजदूरी करते हैं, रिक्शा चलाते हैं या घरेलू कामगार हैं, उनके लिए शिक्षा का एकमात्र जरिया सरकारी स्कूल ही हैं। यदि इन स्कूलों को खत्म किया गया, तो यह शिक्षा का नहीं, सामाजिक न्याय का अपमान होगा।

यहाँ सवाल केवल सुविधाओं का नहीं, बल्कि नीयत का है। सरकार चाहे तो सरकारी स्कूलों को मॉडल स्कूल बना सकती है। शिक्षक, पुश्तकालय, लैब, स्मार्ट क्लास, खेल सामग्री और परिवहन जैसी सुविधाएँ देकर इन्हें निजी स्कूलों से बेहतर बनाया जा सकता है। लेकिन ऐसा करना सत्ताधारी लोगों के निजी स्वार्थों के खिलाफ जाएगा, इसलिए यह नहीं होता।

समस्या यह है कि हमने शिक्षा को मुनाफे का साधन मान लिया है। अब यह अधिकार नहीं, सेवा हो गई है-और सेवा भी ऐसी, जो केवल पैसे वालों के लिए उपलब्ध है। यह समाज को दो भागों में बाँट रही है-एक वो जो अंग्रेज़ी में महंगी शिक्षा लेकर शहरी नौकरी करेगा, और दूसरा वो जो टूटी छतों के नीचे हिंदी में पढ़ाई कर गाँव में ही मजदूरी करेगा।

अब वक्त आ गया है कि हम चुप न रहें। यदि हमने अभी आवाज़ नहीं उठाई, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल एक वर्ग विशेष के हाथों की कठपुतली बनकर रह जाएँगी।

हमें मांग करनी होगी कि सरकारी स्कूलों को बंद करने के बजाय उन्हें सशक्त किया जाए। हर गाँव, हर कस्बे में शिक्षा के श्तंभ को मजबूत किया जाए। शिक्षकों की भर्ती समय पर हो, उन्हें केवल पढ़ाने का काम दिया जाए और विद्यालयों को संसाधन संपन्न बनाया जाए।

हमें यह समझना होगा कि शिक्षा का निजीकरण केवल आर्थिक नहीं, वैचारिक गुलामी का राश्ता है। जब एक वर्ग को सोचने, सवाल करने, और अपने अधिकार पहचानने की शिक्षा नहीं मिलेगी, तब लोकतंत्र केवल वोट की मशीन बनकर रह जाएगा।

बीएसएनएल के साथ जो हुआ वह एक आर्थिक खेल था, लेकिन सरकारी स्कूलों को समाप्त करना एक सामाजिक और वैचारिक अपराध होगा। यदि हम चाहते हैं कि देश की अगली पीढ़ी स्वतंत्र, सशक्त और समतामूलक सोच रखे, तो हमें आज सरकारी शिक्षा व्यवस्था को बचाना ही होगा।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे बनाम संवाद का भविष्य

प्रशांत चौबे

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा उस महान भवन में बसती है जिसे हम संसद कहते हैं। यहीं देश की नीतियाँ बनती हैं, कानून आकार लेते हैं और जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की समस्याओं को राष्ट्रीय विमर्श में बदलते हैं।

परंतु यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि जिस मंच पर विचारों की भिड़ंत से समाधान का सूर्योदय होना था, वहां अब केवल शोर, नारे और हंगामा सुनाई देता है? संसद का मानसून सत्र, जो देश की लोकतांत्रिक चेतना को पुष्ट करने का अवसर बन सकता था, बार-बार बाधित होता रहा। यह घटनाक्रम न केवल सरकार और विपक्ष के बीच संवादहीनता का संकेत है, बल्कि संसद जैसी सर्वोच्च संस्था की गरिमा के क्षरण का भी द्योतक है।

विगत कुछ वर्षों में संसद की कार्यप्रणाली पर आंकड़े ही नहीं, आम जनमानस की चिंता भी यह दर्शाने लगी है कि लोकतंत्र का यह मंदिर राजनीतिक युद्धभूमि बनता जा रहा है। मानसून सत्र 2025 कोई अपवाद नहीं रहा। टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियाँ बताती हैं कि इस बार भी विधायी कार्यों की बजाय हंगामे, स्थगन, निलंबन और आरोप-प्रत्यारोप का ही बोलबाला रहा। प्रश्न यह है कि क्या संसद का मंच केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बनकर रह जाएगा? क्या संवाद की संस्कृति, जो लोकतंत्र की धुरी है, अब इतिहास की बात बनती जा रही है?

भारतीय संसद का इतिहास गौरवशाली रहा है। स्वतंत्रता के बाद प्रारंभिक दशकों में पंडित नेहरू, डॉ. अम्बेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं ने संसद को वैचारिक मंथन का केंद्र बनाया। पक्ष और विपक्ष दोनों की बहसें शालीनता, तर्क और तथ्य पर आधारित होती थीं। लेकिन आज की स्थिति में विरोध का तरीका बदल चुका है।

विपक्ष बहस की बजाय वेल में आकर प्रदर्शन करता है और सरकार बहस से बचते हुए विधेयकों को बिना चर्चा के पारित करवाने में रुचि दिखाती है। इससे दोनों पक्षों की जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। मानसून सत्र के दौरान सरकार द्वारा लाए गए कई महत्त्वपूर्ण विधेयक-जैसे डेटा संरक्षण कानून, जनसंख्या नीति का प्रारूप, तीन तलाक से संबंधित संशोधन या चुनाव सुधार-पर पर्याप्त बहस नहीं हो सकी।

विपक्ष की रणनीति रही कि सरकार को बिना जवाबदेही के विधेयक पारित न करने दिए जाएं, लेकिन इसका तरीका केवल हंगामा था, कोई वैकल्पिक प्रश्ताव या ठोस सुझाव नहीं। दूसरी ओर, सरकार ने यह कह कर बहस से बचने की कोशिश की कि विपक्ष संसद चलने नहीं दे रहा। यह एक और एक ग्यारह का लोकतांत्रिक समीकरण नहीं, बल्कि दोनों गलत की स्थिति बनाता है।

जब संसद में कामकाज नहीं होता, तो असल में नुकसान किसका होता है? जवाब है-जनता का। एक आम नागरिक संसद में अपने प्रतिनिधियों को भेजता है ताकि वे उसकी आवाज बनें, उसकी समस्याएं रखें, नीतियों पर चर्चा करें और जवाबदेही तय करें। लेकिन जब सत्र स्थगन और हंगामे में बीतता है, तो किसान की फसल, बेरोजगार का भविष्य, महिला की सुरक्षा, छात्र की शिक्षा-ये सब मुद्दे पीछे छूट जाते हैं।

2025 के मानसून सत्र में रोजगार, महंगाई, महिला आरक्षण, चिकित्सा व्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसे ज्वलंत विषयों पर सार्थक चर्चा नहीं हो सकी। यदि विपक्ष वेल में प्रदर्शन करता रहा और सत्ता पक्ष जवाब देने की बजाय मौन रहा या विधेयकों को ध्वनि मत से पारित करवा देता रहा, तो यह पारदर्शिता और जवाबदेही के लोकतांत्रिक सिद्धांतों का अपमान है। यह भी महत्वपूर्ण है कि संसद का मंच अब रणनीति और इवेंट मैनेजमेंट का स्थान बनता जा रहा है। विपक्ष जानबूझ कर हंगामा करता है ताकि सरकार को कठघरे में खड़ा किया जा सके, वहीं सरकार सत्र की शुरुआत से ही 'काम नहीं करने देने वाले विपक्ष' की छवि बनाकर सहानुभूति अर्जित करती है। यह एक तरह का जन-धोखा है, जिसमें दोनों पक्ष अपनी राजनीति साध रहे हैं और लोकतंत्र का मुख्य उद्देश्य-जनसेवा-कहीं गुम होता जा रहा है।

इस मानसून सत्र में सांसदों के निलंबन की घटनाएं, कई महत्वपूर्ण विधेयकों को बिना चर्चा पारित कर देना और प्रधानमंत्री का विपक्ष की चिंताओं को 'बेहूदी राजनीति' कहकर खारिज कर देना-इन सबने यह प्रश्न खड़ा किया है कि क्या हम संवाद के युग से वाकयुद्ध के युग में प्रवेश कर चुके हैं?

इस प्रश्न का उत्तर केवल आलोचना से नहीं, बल्कि एक सकारात्मक दृष्टिकोण से ढूंढ़ा जाना चाहिए कि संसद की गरिमा को कैसे बहाल किया जा सकता है? प्रथम आवश्यकता है-राजनीतिक इच्छाशक्ति की। जब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस बात को नहीं स्वीकार करेंगे कि संसद का मूल कार्य बहस और संवाद है, तब तक सुधार की कोई भी कोशिश सतही ही सिद्ध होगी।

सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की आलोचनाओं को केवल राजनीति कह कर न टाले, बल्कि उन्हें सुनने, समझने और उत्तर देने की संस्कृति विकसित करे। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि वेल में आकर नारे लगाने और आसन के पास प्रदर्शन करने से कोई लोकतांत्रिक उद्देश्य सिद्ध नहीं होता। जनता ने विपक्ष को नकारात्मक राजनीति के लिए नहीं, बल्कि सशक्त विकल्प और जनहित में प्रश्न उठाने के लिए संसद में भेजा है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में जहां विविधता इतनी व्यापक है कि एक कानून का असर हर क्षेत्र में भिन्न हो सकता है, वहां परिपक्व, बहुआयामी और विवेकपूर्ण बहस की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ जाती है। यदि विधेयक बिना विमर्श के पारित होते रहेंगे, तो नीति निर्माण एकपक्षीय हो जाएगा और इसका प्रभाव जमीनी श्तर पर नकारात्मक होगा। इससे न केवल जनविश्वास पर असर पड़ेगा, बल्कि विधायिका की वैधता भी प्रश्नों के घेरे में आ जाएगी। संसद का आचरण संहिता केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नैतिक प्रतिज्ञा होनी चाहिए। प्रत्येक सांसद को यह याद रखना चाहिए कि वह देश की जनता की आवाज बनकर सदन में बैठा है, व्यक्तिगत या दलगत स्वार्थों की पूर्ति के लिए नहीं। 'सदन की कार्यवाही चलने दी जाए या न दी जाए' यह निर्णय व्यक्तिगत भावना या तात्कालिक राजनीतिक लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि जनहित की प्राथमिकता पर आधारित होना चाहिए।

यहां यह भी आवश्यक हो जाता है कि संसद की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाया जाए। जैसे-हर बार जब सत्र बाधित हो, तो उसका स्पष्ट कारण रिकार्ड में दर्ज हो; हंगामा करने वाले सांसदों के विरुद्ध दलगत राजनीति से परे सख्त कार्रवाई की जाए; और सबसे महत्वपूर्ण, सत्र के दौरान सदन की उत्पादकता का विश्तृत मूल्यांकन मीडिया और जनता के समक्ष नियमित रूप से रखा जाए। यदि कोई सांसद या दल बार-बार कार्यवाही को बाधित करता है, तो उसकी रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश हो ताकि मतदाता स्वयं तय कर सकें कि वे अगली बार किसे चुनें।

वर्तमान समय में एक बड़ा खतरा यह है कि संसद अब केवल वैचारिक मंथन का मंच नहीं, बल्कि टेलीविज़न और सोशल मीडिया की हिट होने की होड़ का अखाड़ा बनता जा रहा है। कई सांसद संसद में दिए गए वक्तव्यों की तैयारी ऐसे करते हैं जैसे वे किसी न्यूज डिबेट में भाग लेने जा रहे हों। भाषणों में तथ्य कम, नाटकीयता अधिक होती है। कई बार प्रश्न यह भी उठता है कि क्या सांसद यह जान-बूझ कर हंगामा करते हैं ताकि उनका चेहरा अगली सुबह टीवी चैनलों की ब्रेकिंग न्यूज़ में छा जाए?

यह प्रवृत्ति न केवल लोकतंत्र को हास्यास्पद बनाती है, बल्कि गंभीर विषयों की उपेक्षा करती है। क्या हम यह भूल गए हैं कि संसद केवल राजनीति का मंच नहीं, बल्कि नीति और राष्ट्रनिर्माण का महाशिविर है? यदि सांसद सोशल मीडिया ट्रेंड्स के आधार पर अपनी रणनीतियाँ तय करने लगें, तो संसद का स्वरूप मात्र एक जनसंपर्क मंच बन जाएगा, न कि नीति निर्माण की कार्यशाला।

समस्या के समाधान की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। पहला-संसदीय सत्रों का पूर्व-अनुसूचित एजेंडा, जिसमें यह तय हो कि किन विषयों पर कितनी बहस होगी और किस क्रम में विधेयकों को प्रश्तुत किया जाएगा। दूसरा-प्रश्नकाल की रक्षा, जो अब बार-बार हंगामे की भेंट चढ़ जाता है। प्रश्नकाल को बुलडोज़ करना संसद की आत्मा को कुचलने जैसा है। तीसरा-सर्वदलीय बैठकों को केवल औपचारिकता के बजाय सच्चे संवाद का मंच बनाना होगा।

इसके अतिरिक्त, नागरिक समाज और मीडिया की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। मीडिया को चाहिए कि वह संसद में हुए शोर को दिखाने के साथ-साथ यह भी दिखाए कि किस सांसद ने क्या मुद्दा उठाया, किसने कितनी बार अनुपस्थित रहा और किसने संसद में सार्थक योगदान दिया। नागरिक समाज को भी इन बिंदुओं पर लगातार सवाल पूछते रहना चाहिए, ताकि संसद की कार्यवाही केवल सांसदों की जिम्मेदारी न होकर, जन-सहभागिता की मिसाल भी बन सके।

भारतीय लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों में नहीं, बल्कि निर्वाचित संस्थाओं के परिपक्व संचालन में निहित है। संसद, लोक की आशा और विश्वास का प्रतिबिंब है। जब यह संस्थान हंगामे और टकराव का प्रतीक बन जाए, तो लोकतंत्र की नींव डगमगाने लगती है। हमें यह तय करना ही होगा कि हम कैसी संसद चाहते हैं-एक ऐसी जो नारे और वेल से संचालित हो या वह जो तर्क, संवाद और सहमति की राह दिखाए।

समय आ गया है जब सभी राजनीतिक दल अपने-अपने एजेंडा से ऊपर उठकर संसद को फिर से विचारों की भूमि बनाएं। यह परिवर्तन केवल नियमों से नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और संकल्प से संभव होगा। लोकतंत्र के इस पावन मंच को फिर से गरिमामयी बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है-सरकार की भी, विपक्ष की भी और हर नागरिक की भी।

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा।

अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वाश्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रक्रिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई।

बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है।

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़

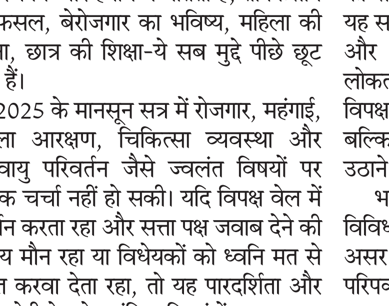

मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था।

इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर वोटों की चोरी का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं।

राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है।

2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद संविधान बदलने का खतरा होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है।

इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना वोट खोने का डर पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी रणनीति पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वाश्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

वाराणसी में एक श्रीलंका..., यहां के ग्रामीण मांग रहे पक्का पुल; चंदा जुटा करते हैं निर्माण

वाराणसी, एजेंसी। ई पुल बन गयल होत त गुलाब राजभर के पतो मोना (24) बच गयल होतीन। फुलवरिया जाय बदे ओनकरे परिवार के लोगन पिसौर पुले से होके अस्पताल लेके गइलन। मोना के बच्चा ते पैदा हो गयल लेकिन ओन ना बच पइलिन। दनियालपुर जब से टूटल है तब से पूरा गांव के मनई परेसान हो गयल हउवन...।

यह कहते-कहते 61 वर्षीय मुनकी दानियालपुर-फुलवरिया पुल की ओर देखने लगती हैं, जो दुर्गंध मार रहे वरुणा नदी पर थी। वह टूट चुकी थी। बांस-बल्ली और लकड़ियों को नदी का पानी बहा ले गया था। पुल का आधा हिस्सा नदी में ही टंगा हुआ है। उधर, गांव वाले हर साल की भांति इस साल भी चंदा इकट्ठा कर रहे हैं। जल्द ही पुल को इस बार भी बना लिया जाएगा तो गांव वालों को स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं सुचारू रूप से मिलने लगेंगी। गांव के लोग आज भी पक्का या पीपा पुल का सपना देख रहे हैं।

दानियालपुर गांव में मात्र एक प्राइमरी स्कूल है। गांव के लड़के और लड़कियां फुलवरिया के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने जाते हैं, लेकिन इस पुल (चहवा) के टूट जाने से उनकी पढ़ाई-लिखाई के साथ ही अन्य काम भी प्रभावित हो रहे हैं। गांव के 66 वर्षीय शहादुल पटेल ने बताया कि जिन्हें सायकिल चलाने नहीं आती वे बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। यहां अधिकतर लड़कियां सायकिल नहीं चला पातीं, इसलिए वे भी घर पर बैठ गई हैं। इस वक्त अन्य बच्चे पिसौर पुल से स्कूल जा रहे हैं, लेकिन उन्हें सात से आठ किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ता है।

गांव की अनोखी विशेषता

इस गांव को श्रीलंका का टापू भी कहा जाता है, क्योंकि इसके पूरब-पश्चिम और दक्षिण की तरफ वरुणा नदी बहती है। उत्तर की तरफ शिवपुर रेलवे स्टेशन है। हर साल जुलाई के बाद यह पुल बारिश के कारण बह जाता है। तीन-चार महीने के बाद इसे दोबारा बनाया जाता है। गांव वाले चंदा इकट्ठा करते हैं। बंसवाड़ी से बांस काट बजरिए वाहन नदी किनारे लाकर 15-20 दिन में इस चहवा को तैयार किया जाता है, जिसका काम अब शुरू हो चुका है।

पिसौर वार्ड नंबर 49 के पार्षद गोविंद पटेल ने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव यानी 2019 में सेतु निगम ने पुल के लिए सर्वे किया था। लेखपाल ने सीमांकन किया। निशान भी बना दिए गए, लेकिन कुछ महीने बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। वे बताते हैं कि दानियालपुर पांच से छह किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां की आबादी तकरीबन छह से सात हजार है। इस पुल के माध्यम से यहां के लोगों को काफी सहूलियत हो जाती है। उन्होंने बताया कि इसके प्रस्ताव को नगर निगम में पेश किया जाएगा।

गांव के क्षेत्रफल के हिसाब से यहां के लोगों ने एक राजकीय विद्यालय और खेलकूद के मैदान की भी मांग की है। पार्षद ने बताया कि गांव वालों ने अपनी काफी जमीनों को यहां के विकास के लिए दे दिया। यही कारण है कि यहां पिच-सीसी रोड और इंटरलॉकिंग का कार्य हो सका। गांव में अभी तक चकबंदी नहीं हुई है। यहां काफी जमीनें हैं, जहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र खोले जा सकते हैं। जल्द ही इस पर भी काम किया जाएगा।

तीनों तरफ वरुणा नदी से घिरे दानियालपुर गांव के कई खेत बाढ़ में डूब जाते हैं। बाढ़ जाने के बाद यहां की स्थिति और भी बदतर हो जाती है। हर वक्त पानी में दुर्गंध उठती रहती है। इसका कारण पूछने पर गांव के सूरज, चंद्रप्रकाश, अनिल, राजू, खरपत्तू सहित कई महिलाओं ने बताया कि भिटारी के पास रेलवे का कारखाना है, जहां से भारी मात्रा में गंदगी वरुणा में ही गिराई जाती है। सारी गंदगी नदी के मोढ़ पर इकट्ठा हो जाती है। इस कारण मछलियां तो मरती ही हैं, साथ ही पानी भी गंध मारने लगता है।

क्या कहते हैं सांसद

चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिवपुर विधानसभा के इस गांव की समस्या के बारे में मुझे जानकारी है। 2007 में मैंने ही यहां बांस की पुलिया बनवाई थी। इससे लोगों को काफी लाभ हुआ इसलिए हर साल चंदा इकट्ठा कर गांव वाले इसे बनवा रहे हैं। यह मामला विधानसभा से जुड़ा हुआ है, फिर भी गांव के लोगों का मुझसे काफी जुड़ाव है। मैं इसको संज्ञान में लेकर संबंधित लोगों से बातचीत कर यहां पक्का या पीपा पुल का निर्माण करवाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि रेलवे से गंदगी वाली जो समस्या है, इसकी जांच कर समाधान करवाऊंगा।

मेडिकल कैम्प का हुआ आयोजन

✱ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✱

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में पुलिस लाइन स्थित चिकित्सालय में वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में पुलिस अस्पताल में शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल के द्वारा मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। जिसमें डॉक्टरों की टीम के द्वारा सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ पुलिस परिवार के स्वास्थ्य सम्बन्धी टेस्ट जैसे डायबिटीज, थायराइड, खून की जांच, टेस्ट, फिजियोथेरेपी,नेत्र रोग, दंत रोग, ब्लड प्रेशर तथा आर बी एस की जांच तथा उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

जिसमें चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ० गजेन्द्र सिंह (चिकित्सा अधीक्षक पुलिस अस्पताल),डॉक्टर प्रदीप कुमार गुप्ता (जनरल फिजिशियन), डॉक्टर कामरान (फिजिशियन), डॉ० साहिल यादव (नेत्र रोग विशेषज्ञ) की टीम द्वारा प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक श्री अनुभव कुमार त्रिपाठी, प्रभारी पुलिस वेलफेयर उप निरीक्षक श्री सर्वेश कुमार, है०का० विनोद कुमार, म०का० पूजा, संतोषी आदि कर्मचारी गण मौजूद रहे।

तमंचा व कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✱ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✱

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व वांछित वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना लोधा पुलिस द्वारा एक शातिर अभियुक्त उमेश उर्फ घनश्याम पुत्र रामगोपाल निवासी लैण्टर वाली गली सोसाईटी नौवरी थाना रोरावर जनपद अलीगढ़ को एक तमंचा 315 बोर एक जिन्दा कारतूस के साथ तलाब किनारे सडक ताजपुर रसूलपुर से गिरफ्तार किया।

नशीला पदार्थ सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✱ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✱

जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध नशीला पदार्थों की बिक्री व तस्करी करने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना हरदुआगंज पुलिस ने एक शातिर अभियुक्त आशिफ पुत्र रहीश निवासी बुढासी थाना हरदुआगंज जनपद अलीगढ को 02 किलो 90 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा सहित निधौला बम्बा से बुढासी की तरफ से से गिरफ्तार किया।

एमओयू हस्ताक्षर होना महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय

✱ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✱

श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय ने एन ई पी 2020 के पांच वर्ष पूर्ण होने पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम में प्रतिभागिता की यह कार्यक्रम भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित किया। जिसमें केन्द्रीय मंत्री उच्च शिक्षा धर्मेंद्र प्रधान तथा अन्य राज्यों के शिक्षा मंत्रियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर नेशनल अपरेंटिस ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत अपरेंटिस एंबेडेड डेवलपमेंट प्रोग्राम में महाविद्यालय ने बीबीए रिटेल का एमओयू उच्च शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के साथ हस्ताक्षर किया। इस समागम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो प्रतिमा श्रीवास्तव एवं डॉ ममता श्रीवास्तव ने भाग लिया और महाविद्यालय की ओर से एमओयू साइन किया। प्राचार्या प्रो प्रतिमा श्रीवास्तव ने कहा शिक्षा समागम में प्रतिभागिता व एमओयू हस्ताक्षर होना महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

प्लाट विवाद में दबंगों ने महिला व लड़की को पीटा, दीवार गिराई

✱ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✱

थाना गोंडा इलाके के गांव नगला पीपल में प्लाट व रास्ते के विवाद में दबंगों ने किसान को जमकर पीटा। धारदार हथियार और लाठी डंडे से वार कर लहूलुहान कर दिया। किसान को बचाने पहुंची पत्नी और बेटी के साथ भी दबंगों ने मारपीट कर दी।

सूचना पर डायल 112 की पीआरवी और इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन तब तक आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। यहां से एक की घायल की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने सोमवार की देर रात्रि मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पीड़ित ने लेखपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले में दबंगों के खिलाफ थाने में शिकायत की है। लेखपाल की शिकायत जल्द डीएम से करने की बात कही है।

गांव नगला पीपल के रहने वाले श्याम बाबू गौतम पुत्र सुखराम सिंह किसान है। वर्तमान में सासनी गेट क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी में किराये के मकान में परिवार के साथ रहते हैं।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा का मॉक ड्रिल, रनवे पर विमान हादसे के दौरान बचाव और राहत का अभ्यास

वाराणसी , एजेंसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मंगलवार को मॉक ड्रिल की गई। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल दो वर्ष में एक बार की जाती है। इसका उद्देश्य विमान दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन सेवाओं की तैयारी और प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना है। ड्रिल में पुलिस, अग्निशमन, एयरपोर्ट अग्निशमन, स्थानीय पुलिस, सीआईएसएफ और एयरपोर्ट से संबंधित सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। रनवे पर एक बस को विमान के रूप में खड़ा किया गया था और ड्रिल के दौरान आपातकालीन सेवाएं अपनी भूमिका निभाती दिखाई दीं। ड्रिल के दौरान विमान दुर्घटना की स्थिति में बचाव और राहत कार्यों का अभ्यास किया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह ड्रिल विमान दुर्घटना की स्थिति में तैयारी और प्रतिक्रिया को मजबूत बनाने के लिए किया गया है।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही और गैर हाजिरी किसी भी दशा में नहीं की जाएगी बर्दाश्त

✱ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✱

मंगलवार को नगर आयुक्त ने बिना किसी को बताएं शहर के वार्ड 60 अंतर्गत गांधी नगर, प्रीमियम नगर बैंक कॉलोनी महेंद्र नगर रोड महेंद्र नगर मरघट वार्ड 28 महेंद्र नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए वार्ड के नागरिकों से रोजाना साफ सफाई की हकीकत जानी। नगर आयुक्त को वार्ड की अधिकांश जनता ने नालियां भरी होने, सड़क पर झाडू नहीं लगने, सड़क पर जगह-जगह कूड़ा पड़े होने नालियों की सफाई महीना में एक बार होने, सफाई कर्मचारियों के न आने के बारे में बताया। निरीक्षण के दौरान मिली गम्भीर अनियमितताओं और बेहद खराब सफाई व्यवस्था पर नगर आयुक्त का मूड सुबह-सुबह बिगड़ गया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने सुखमा कंपनी और अर्बन कंपनी को 2 दिन की मोहल्लत देते हुए सभी पार्षद वार्ड में सफाई कार्य का बीट प्लान जगह-जगह लगाने के लिए कहा ताकि पब्लिक आसानी से समझ सके उनके क्षेत्र में सफाई व्यवस्था के लिए उत्तरदायी सफाई कर्मचारी कौन है।

झाड़ू लगाने वाला कौन है नाली साफ करने वाला कौन है। नगर आयुक्त ने सुखमा और अर्बन कंपनी को वार्ड में तैनात किए गए समस्त सफाई कर्मचारियों को ड्रेस आवंटित करने के निर्देश दिए बिना ड्रेस के सफाई कर्मचारी के पाए जाने पर नगर आयुक्त ने कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी।

निरीक्षण में नगर आयुक्त को सुखमा कंपनी द्वारा नियुक्त मात्र दो सफाईकर्मीक्रमशः पुत्र रतनलाल और राजीव पुत्र राजपाल ही कार्यरत मिले। इतने बड़े क्षेत्र में दो कर्मचारियों की उपस्थिति को घोर लापरवाही मानते हुए नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। क्षेत्रीय पार्षद द्वारा भी पुष्टि की गई कि इन्हीं दो कर्मचारियों के भरोसे पूरी सफाई व्यवस्था चल रही है। नगर आयुक्त ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करार देते हुए मौके पर ही सुखमा कंपनी पर पांच लाख रूपये का जुर्माना लगाया। वहीं सुखमा कंपनी के दो सफाई कर्मचारी अजय पुत्र राजकुमार और बबलू पुत्र चमन को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करने के निर्देश दिए। वार्ड 60 में कूड़ा कलेक्शन की गाड़ी समय से न आने और कूड़ा ध्वाइंट्स से नियमित उठान न होने की शिकायतों पर नगर आयुक्त ने अर्बन कंपनी पर दो लाख रूपये का जुर्माना लगाया। वार्ड 60 में सफाई व्यवस्था का जिम्मा सुखमा कंपनी का है लेकिन सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यहां तैनात स्वच्छता निरीक्षक प्रकाश सिंह की लापरवाही नगर आयुक्त को निरीक्षण के दौरान देखने को मिली स्थानीय नागरिकों ने भी सफाई निरीक्षक की कार्यशैली पर असंतोष व्यक्त किया जिस पर नगर आयुक्त ने एक्शन लेते हुए संबंधित स्वच्छता निरीक्षक प्रकाश सिंह का वेतन रोकते हुए कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए

नगर आयुक्त ने कहा कि साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सफाई कर्मचारी, सुपरवाइजर और निरीक्षक यदि अपनी भूमिका जिम्मेदारी से नहीं निभाएंगे तो शहर को स्वच्छ और स्वस्थ कैसे बनाया जा सकेगा? हर कर्मचारी को यह समझना होगा कि अलीगढ़ को स्वच्छ अलीगढ़, स्वस्थ अलीगढ़ बनाने की दिशा में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दो बाइकों को टक्कर मारते हुए पोल से टकराकर पलटा ट्रक

सफीपुर। ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित ट्रक दो बाइक में टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराने के बाद पलट गया। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

हरदोई से भूंसी लादकर उन्नाव जा रहे ट्रक का सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमलदीपुर के पास ब्रेक फेल हो गया। इससे ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के विपरीत दिशा में पहुंच गया। ट्रक बाइक सवार हसनगंज कोतवाली के कमलेश कुमार (28) और अजगैन के जगदीश (25) को टक्कर मारते हुए बिजली के पोल से टकराकर खंती में पलट गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। ट्रक चालक हरदोई निवासी सूरज ने बताया कि ब्रेक फेल होने से सामने से आए वाहन को बचाने में घटना हो गई।

स्कूल से गायब हेडमास्टर व दो शिक्षकों पर कार्रवाई

सरैया , एजेंसी। बीईओ सिराथू के निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय सरैया के प्रधानाध्यापक व दो शिक्षक अनुपस्थित रहे। बीईओ ने सभी का वेतन रोक दिया। इसके साथ ही निपुण आकलन का निरीक्षण किया। सिराथू बीआरसी के 12 विद्यालयों में मंगलवार को निपुण आकलन परीक्षा हुई। बीईओ ने इसका निरीक्षण किया। बीईओ प्राथमिक विद्यालय सरैया पहुंचे तो यहां तैनात प्राध्यापक कृष्ण कुमार पांडेय, शिक्षक कुमारी उषा व संजय कुमार नहीं मिले। बीईओ ने तीनों का वेतन रोक दिया। वहीं, 14 विद्यालयों में परीक्षा हुई। बताया कि परीक्षा में 90 प्रतिशत बच्चे मौजूद रहे।

होटल का भंडाफोड़ करने वाली महिला को धमकी

गुरसहायगंज। सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद कराने वाली महिला पर हमला कर घायल करने वाले दबंग फिर से धमकी दे रहे हैं। मामले में एसपी को प्रार्थना पत्र दिया गया है।

कस्बे के मोहल्ला रामकृष्ण नगर में संचालित एक होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ मोहल्ले के लोगों ने कर अवैध रूप से संचालित होटल को बंद करवा दिया था। इससे नाराज होटल संचालक के समर्थकों ने 16 दिसंबर को देर रात रैकेट का भंडाफोड़ करने और अनैतिक कार्य का विरोध करने वाली महिला रेनू चतुर्वेदी पर घर में घुसकर हमला बोल दिया था। वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। मामले में तीसरे दिन मंगलवार को पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोपियों पर कठोर करवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं। रेनू चतुर्वेदी के पति देवनारायण चतुर्वेदी ने एसपी अमित कुमार आनंद को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा कि होटल संचालक के समर्थकों ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हो जाने से नाराज होकर पत्नी पर हमला बोल दिया था। इसके बावजूद पुलिस ने करवाई नहीं की। उन्होंने दबंग लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पेंट करते समय लगा करंट, पेंटर की मौत

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। थाना सिविल लाइन क्षेत्र में मकान पर पेंट करने के दौरान हादसा हो गया। हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से पेंटर की दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि मकान मालिक ने हाईटेंशन लाइन में करन्ट न आने की बात कहकर छत पर पेंट करने के लिए चढ़ाया था। सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। हादसे ने तीन बच्चों के सिर से पिता का साया छीन लिया। परिजनों ने मामले में मकान मालिक के खिलाफ थाने में तहरीर दे दी है।

शहर के थाना सिविल लाइन इलाके के जमालपुर निवासी 45 वर्षीय शमशाद खान पेंटर का काम कर परिवार का भरण पोषण करते थे। वह क्षेत्र में ही एक मकान में पुताई का काम करने गए थे। परिजनों का आरोप है कि मकान मालिक ने शमशाद को पेंट करने के लिए छत पर चढ़ा दिया। जबकि वहां से हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। उसमें करन्ट भी आ रहा था। मकान मालिक ने शमशाद को यह बोलकर छत पर चढ़ाया था कि हाईटेंशन लाइन बन्द है। उसमें करंट नहीं आ रहा। तभी पेंट करने के दौरान हादसा हो गया। करंट से शमशाद बुरी तरह झुलस गए। उनको अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। पंचायत नामा की कार्रवाई के साथ मंगलवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। शमशाद की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। मृतक ने अपने पीछे भरा पूरा परिवार रोते बिलखते छोड़ा है। पेंटर के दो बेटी और एक बेटा है। हादसे ने इनके सिर से पिता का साया छीन लिया।

किसानों की गांधीगीरी... तीन किमी तक लेटकर आंदोलन, सड़क पर बैठकर अफसरों को सुनाई खूब खरी-खोटी

मुजफ्फरनगर , एजेंसी। मुजफ्फरनगर के चरथावल में विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू की पंचायत में अफसरों के नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने लेटकर जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। एसडीएम सदर निकिता शर्मा और सीओ राजू कुमार साव ने किसानों के काफिले को रोककर समस्याओं के निदान का भरोसा दिया। शाम सात बजे मुजफ्फरनगर मार्ग पर एक सप्ताह में मांगों पर ठोस कार्रवाई करने सहमति के बाद धरनारत किसान शांत हुए।

पिछले आंदोलनों में आश्वासन के बावजूद किसी मुद्दे पर मांग पूरी न होने पर किसानों ने अफसरों को सड़क पर बैठाकर नाराजगी जताई। मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे भाकियू युवा के मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व में पंचायत शुरू हुई। दो घंटे तक संबंधित विभाग के अफसरों के नहीं पहुंचने पर गुस्साए किसानों ने जिला मुख्यालय की ओर कूच कर दिया। किसान सड़क पर लेटकर जिला मुख्यालय की ओर बढ़े।

पूर्व पंचायत में विकास शर्मा ने कहा चरथावल-थानाभवन मुख्य मार्ग के निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री प्रयुक्त किए जाने की जांच एवं दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने, चकबंदी विभाग में किसानों का उत्पीड़न, दो बार आंदोलन के बावजूद सिकंदरपुर गांव में हिंडन नदी पर स्थायी पुल नहीं बनने, सिचाई विभाग की नहरों और रजबहों की सफाई में घोटाले की जांच कराई जाएं। चरथावल कस्बे में मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण का रुका कार्य अफसरों और व्यापारियों के बीच हुई सहमति के मुताबिक जल्द शुरू कराया जाए।

चरथावल कस्बे में पाइप लाइन की वजह से कस्बे की तमाम सड़कों को तोड़कर गड्ढे बना दिए हैं। कस्बे की सड़कों को पुनः निर्माण कराया जाए। भुगतान समय से नहीं मिलने के कारण क्षेत्र के कई गांवों के किसान थानाभवन की बजाय शुगर मिल को गन्ना आपूर्ति नहीं करना चाहते हैं। उनकी व्यवस्था गन्ना विभाग दूसरी मिल के केंद्रों पर कराए।

जिला गन्ना अधिकारी संजय सिसौदिया और रोहाना और बिरालसी गन्ना समिति सचिव एसपी सिंह ने मौके पर कहा कि समस्या के संबंध में गन्ना आयुक्त लखनऊ को प्रस्ताव भिजवाया जाएगा। मंडल युवा महासचिव निखिल चौधरी, रूपक चौधरी, नगराध्यक्ष सौरभ त्यागी, राहुल त्यागी, राज सिंह ठाकुर, पप्पू राणा, सोनू ठाकुर, ग्राम अध्यक्ष ज्ञानामाजरा रूपक चौधरी आदि मौजूद रहे।

पहले दौर की वार्ता विफल

एसडीएम सदर एवं कई विभाग के अफसर चरथावल पहुंचे। उन्होंने कमला फार्म के सामने किसानों के जत्थे को रोककर समस्याएं सुनीं। लेकिन ठोस आश्वासन नहीं मिलने के कारण वार्ता विफल हो गई। पुनः किसानों का काफिला यहां से आगे बढ़ गया। सांझ ढलने और अंधेरे में पुलिस बल के साथ अफसर आगे चलते रहे। इससे पूर्व चकबंदी विभाग और सिंचाई विभाग के अफसरों को सड़क पर बैठाकर प्रदर्शनकारियों ने खरी खोटी सुनाई। हिंडन पर स्थायी पुल नहीं बनने को लेकर खासी नाराजगी रही।

धरने पर दो किसानों की बिगड़ी हालत

ब्लॉक अध्यक्ष पवन त्यागी चौकड़ा एवं मनोज शर्मा महरायपुर के किसानों की हालत ठंड में बिगड़ गई। एसडीएम सदर ने दोनों को सीएचसी में उपचार के लिए भेजा। एसओसी, चकबंदी अधिकारी रामकेश, तहसीलदार सदर राधेश्याम, नायब तहसीलदार हरेंद्र पाल सिंह, राजस्व निरीक्षक प्रवीण गुप्ता आदि कई विभाग के अधिकारी काफिले के साथ मौजूद रहे। करीब सात घंटे पंचायत और प्रदर्शन में वार्ता का दौर चला। शाम देर शाम सात बजे डीसीओ के मौके पर आने के बाद सहमति बनी। किसानों की समस्याओं को एक सप्ताह में नियमानुसार पूरा करने पर भरोसा दिया। कस्बे से तीन किलोमीटर दूर संजीवनी हॉस्पिटल के सामने हुई दूसरे दौर की वार्ता के बाद किसान लौट गए।

बॉक्सिंग डे टेस्टः

ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की अपनी प्लेइंग 11, ट्रेविड हेड हुए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के लिए मेजबान ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इस टीम में ट्रेविस हेड को खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया है। यह बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा जो ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा।

कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि उनकी टीम इस मुकाबले में दो बदलावों के साथ उतर रही है, जिसमें सैम कोन्टास नाथन मैकस्वीनी की जगह लेंगे और स्कॉट बोलैंड चोटिल जोश हेजलवुड की जगह पर खेलेंगे।

19 साल के कोन्टास के लिए यह खास पल होने जा रहा है क्योंकि इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने उनसे कम उम्र का टेस्ट डेब्यूटेंट साल 2011 में उतारा था। तब पैट कमिंस को 18 साल की उम्र में खेलने के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि कोन्टास ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा ओपनर होंगे और उस्मान ख्वाजा के साथ उनकी उम्र का अंतर काफी ज्यादा होगा।

वहीं, स्कॉट बोलैंड पिछले 18 महीने में भारत के खिलाफ एडिलेड टेस्ट मैच में बढ़िया वापसी करके अपनी गेंदबाजी की धार का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि जोश हेजलवुड की चोट के चलते ही उनकी तब वापसी हुई थी। एक बार फिर से बोलैंड टीम में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए तैयार होंगे।

झउन्होंने एडिलेड टेस्ट में शानदार गेंदबाजी की थी, जिसमें कंगारूओं ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। बॉर्डर गावस्कर सीरीज के मौजूदा स्थिति की बात करें तो भारत ने पहला टेस्ट पर्थ में 295 रनों से जीता था। इसके बाद अगले पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर सीरीज बराबर की थी। तीसरा मैच बारिश से प्रभावित रहा और ड्रॉ रहा। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में खेला गया था। अब दोनों टीमें बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं।

चौथे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग

बुमराह ने 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी की

ICC टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	जसप्रीत बुमराह	इंडिया	904
2	कागिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	856
3	जोस हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	852
4	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	822
5	रविचंद्रन अश्विन	इंडिया	789
6	मैट हेनरी	न्यूजीलैंड	782
7	नाथन लायन	ऑस्ट्रेलिया	770
8	प्रभाथ जयसूर्या	श्रीलंका	768
9	नोमान अली	पाकिस्तान	759
10	रवींद्र जडेजा	इंडिया	755

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर लिए हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले, भारत के लिए अश्विन ने इतने रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे। इन दोनों के अलावा कोई अन्य भारतीय यह कारनामा नहीं कर सका है।

अश्विन को इतने रेटिंग पॉइंट्स दिसंबर 2016 में मिले थे। बॉलिंग रैंकिंग में रबाडा दूसरे नंबर पर बुमराह ने अब तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीन शुरुआती मैचों में 21 विकेट लिए हैं। वे टेस्ट रैकिंग में टॉप पर बरकरार है। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा (856) इस समय दूसरे और ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड (852) तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रविंद्र जडेजा को विकेट ना मिलने से नुकसान हुआ है और वे टॉप 10 से बाहर हो गए हैं।

केएल राहुल को 10 स्थान का फायदा एडिलेड में शतक के बाद गाबा में 152 रन की शानदार पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड 825 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि तीसरे टेस्ट में उनके हमवतन स्टीव स्मिथ के शतक ने उन्हें एक बार फिर टॉप-10 में पहुंचा दिया है।

एक ही टीम में भारत-पाकिस्तान के ये खिलाड़ी, अभिषेक शर्मा बने कप्तान, पाक के दो प्लेयर्स को मिली जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट में अलग-अलग देशों की क्रिकेट टीमों के अलग-अलग खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में अपने नाम का डंका बजाया है. इसमें भारत के अभिषेक शर्मा-नीतीश कुमार रेड्डी से लेकर पाकिस्तान के सैम अयूब और इंग्लैंड के जैकब बेथेल तक का नाम शामिल है. हम आपके लिए साल 2024 के उन युवा और नए सितारों की बेस्ट प्लेइंग इलेवन लेकर आए हैं जिन्होंने इस साल इंटरनेशनल क्रिकेट में धमाल मचाया.

साल 2024 की बेस्ट प्लेइंग इलेवन के कप्तान के तौर पर भारत के अभिषेक शर्मा चुने गए हैं. वे ओपनर भी हैं. वहीं उनके बैटिंग पार्टनर हैं पाकिस्तान के सैम अयूब. इसके बाद नंबर तीन पर इंग्लैंड की नई सनसनी 21 वर्षीय जैकब बेथेल हैं. नंबर चार पर भारत के आईपीएल स्टार रियान पराग और पांच पर पाकिस्तान के कामरान गुलाम को जगह मिली है. विकेटकीपर के रूप में इंग्लैंड के 24 वर्षीय के जेमी स्मिथ शामिल हुए. बतौर ऑल राउंडर भारत के नीतीश कुमार रेड्डी 7वें नंबर पर हैं. वहीं गेंदबाजों के रूप में आठवे नंबर पर अफगानिस्तान के अल्लाह गजनफर. नौवें नंबर पर न्यूजीलैंड के विलियम ओरुर्के, 10वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के 18 वर्षीय क्वेना मफाका और इस प्लेइंग इलेवन के अंतिम खिलाड़ी इंग्लैंड के शोएब बशीर हैं.

ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे हैः शास्त्री

मेलबर्न, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो।

भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा। शास्त्री से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है। उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

भारत सीरीज में 1-1 से बराबर है और उस आदमी (बुमराह) ने अकेले ही भारत को उस स्थिति में पहुंचा दिया है। जहां तक कोंस्टास की बात है, मुझे लगता है कि वह बहुत तरोताज़ा है। उसके पास प्रतिभा है, वह शानदार है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट तो टेस्ट क्रिकेट है। मुझे लगता है कि उसकी तकनीक और बेहतर होगी और वह ऑस्ट्रेलिया का भविष्य बनेगा। शास्त्री ने कहा, मैकस्वीनी बहुत बदकिस्मत था। मुझे लगा कि उसने कड़ी मेहनत की है, लेकिन वह एक मध्यक्रम का बल्लेबाज है। मैं उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम के श्रीलंका जाने पर वहां जाते हुए देखता हूं और वहां से अपना करियर फिर से बनाता हूं । लेकिन मुझे लगता है कि कोंस्टास को शामिल करना एक अच्छा कदम है, क्योंकि आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो भारतीय टीम पर आक्रमण कर सके, क्योंकि प्रहार कहीं से भी आ रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतेगा, इससे पहले 2018/19 और 2020/21 में भी भारत ने यहां जीत दर्ज की थी। बहुत बढ़िया। लंबे समय से किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया जब भी यहां आता है, तो वह टीमों पर भारी पड़ता है। भारत के लिए लगातार तीन सीरीज जीतना कुछ खास होगा।

लेकिन उन्हें अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट मैच में कड़ी टक्कर देगा, खासकर गेंदबाजों के साथ। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बल्लेबाजी होगी। भारत यहां जीतने के लिए आया है, वह यहां नंबर बढ़ाने के लिए नहीं आया है। जब मैं कोच था, तब भी हमारा मंत्र बेहद कड़ी मेहनत, निष्पक्षता और जीत हासिल करना था। आपको ऑस्ट्रेलिया को हराने का तरीका सोचना होगा, न कि सिर्फ प्रतिस्पर्धा करना। आपको सही तरीके से योजना बनानी होगी कि अपने 20 विकेट कैसे लें। भारत ने ऐसा किया है और बहुत आक्रामक रहा है।

शास्त्री ने कहा, वे ऑस्ट्रेलिया के सामने हैं और जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मनोरंजक और जोशपूर्ण रहा है। भारत आगे है। मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी। रविचंद्रन अश्विन के अचानक अंतरराष्ट्रीय संन्यास के बाद, शास्त्री ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम के बल्लेबाजी विभाग में जल्द ही नए चेहरे आएंगे। बल्लेबाजी विभाग में, मैं एक या दो साल में कुछ नए चेहरे देख सकता हूं। जायसवाल युवा हैं। शुभमन गिल काफी युवा हैं, ऋषभ पंत अभी भी बहुत युवा हैं। मिश्रण में काफी अन्य खिलाड़ी हैं जो बहुत जल्द आ सकते हैं।

मनु भाकर विवाद के बीच अब इस खिलाड़ी का दावा, खेल रत्न पुरस्कार में किया जा रहा भेदभाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए मनु भाकर के नाम की सिफारिश नहीं किए जाने पर मचे बवाल में अब पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह की एंट्री हो गई है।

उन्होंने मंगलवार को खेल पुरस्कार देने में भेदभाव का आरोप लगाया है। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। हरविंदर ने इससे पहले टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

खेलों में भेदभाव

हरविंदर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, खेलों में भेदभाव। उन्होंने कहा, टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया लेकिन पेरिस 2024 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं का क्या? वही प्रतियोगिता, वही स्वर्ण, वही गौरव - वही पुरस्कार क्यों नहीं? टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा, भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया गया था।

कोंस्टास दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि वह अच्छे हैंः रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है, उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह अच्छे हैं। 19 वर्षीय कोंस्टास गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, उन्हें नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है।

2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री 11 की ओर से खेलते हुए शतक बनाया था। कोंस्टास ने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, मैंने बहुत कुछ देखा है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वहां बहुत प्रतिभा है। जिस तरह से उन्होंने पीएम 11 मैच में खेला (उन्होंने भारतीयों के खिलाफ 107 रन बनाए), जिस तरह से वह उस रात अपने पहले बीबीएल गेम

में खेलने में सक्षम थे। मुझे पता है कि यह अलग-अलग प्रारूप हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि प्रतिभा वहां है और इसके साथ थोड़ा रवैया भी है। यह कोई बुरा रवैया नहीं है, (लेकिन) ऐसा रवैया है कि वह जानता है कि वह अच्छा है और वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि वह अच्छा है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ कोंस्टास के सामने आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, अभी भी एक चुनौती है। यह एक टेस्ट मैच है।

यह आपका पहला टेस्ट मैच है। आप दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेल रहे हैं। विश्व क्रिकेट में शायद इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं है। यह किसी भी अन्य देश की तरह है जो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में पदार्पण कर रहा है, जब आपके पास स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड हैं।

बुमराह निश्चित रूप से इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे अलग और शायद अग्रणी तेज गेंदबाज रहे हैं। इसलिए कोंस्टास के लिए वहां एक बड़ी चुनौती होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता एथलीट हिमा दास पर 16 माह का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था। नाडा की टीम तीन बार उनके दिए पते पर सैंपल लेने पहुंची, लेकिन तीनों ही बार वह नहीं मिलीं।

जकार्ता एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली देश की स्टार एथलीट हिमा दास पर व्हेयर अबाउट फेल्योर (टेस्ट के लिए ठिकाने का पता नहीं बताना) के लिए 16 माह का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर यह प्रतिबंध 22 जुलाई, 2023 से लगाया गया है। विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) और राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने हिमा पर मामले के आपसी समाधान समझौते के तहत यह प्रतिबंध लगाया है। वरना उन पर दो वर्ष का भी प्रतिबंध लग सकता था। हालांकि इस प्रतिबंध की अवधि इस वर्ष 22 नवंबर को समाप्त हो गई है।

हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था।

235 रन ठोकने वाले केएल राहुल को ओपनिंग से हटाया

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः

नईदिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल अब ओपनिंग नहीं करेंगे? टीम में गिल की पोजिशन भी छिन जाएगी? बेशक इन बातों पर आप यकीन करें या नहीं, लेकिन जो उड़ती-उड़ती खबर आ रही है, वो ऐसा होने के संकेत दे रहे हैं. खबरों के मुताबिक, मेलबर्न में खेले जाने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में केएल राहुल, सीरीज के पिछले 3 टेस्ट की तरह पारी की शुरुआत नहीं करते दिख सकते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि स्ल्त पर यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा के ओपन करने की खबरें

चल रही हैं. वहीं केएल राहुल को लेकर कहा जा रहा है कि वो नंबर तीन पर बैटिंग कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक नंबर 3 पर शुभमन गिल खेलते दिख रहे थे. लेकिन, मेलबर्न में राहुल के नंबर तीन पर खेलने की खबर का मतलब है कि गिल से उनकी पोजिशन का छिन जाना. शुभमन गिल हो सकता है तब नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते दिखें. वैसे, इससे उतना फर्क नहीं पड़ने वाला जितना असर केएल राहुल को ओपनिंग से हटाकर दिखने वाला है. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ से ब्रिसबेन तक खेले पहले 3 टेस्ट में केएल राहुल ने हरेक में पारी की शुरुआत यानी कि ओपनिंग की है. इन 3 टेस्ट की 6 पारियों में 47 की औसत से उन्होंने 235 रन बनाए हैं. ऐसा कर वो मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. वहीं, सीरीज में ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में वो ट्रेविस हेड के बाद दूसरे नंबर के बल्लेबाज हैं.

अब जैसी की खबरें हैं कि केएल राहुल नंबर 3 पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेल सकते हैं, तो आइए जान लेते हैं कि इस पोजिशन पर टेस्ट में उनका रिकॉर्ड कैसा है? राहुल ने नंबर पर कुल 5 पारियां खेली हैं, जिसमें उन्होंने 17.60 की औसत से 88 रन बनाए हैं. ये टॉप के किसी भी बैटिंग ऑर्डर पर उनका सबसे बेकार रिकॉर्ड तो है ही.